रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को गांधीनगर जिले के लावाड में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के पहले दीक्षा समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी के बाद आंतरिक सुरक्षा तंत्र में सुधार की जरूरत थी लेकिन इस ओर ध्यान नहीं दिया गया।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:27 अंक: 90 दिनांक: 13-03-2022 रविवार मूल्य : 100 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

रविवार को कांग्रेस कार्य समिति (Congress Working Committee CWC) की बैठक होगी जिसमें पांच राज्यों में मिली हार और मौजूदा सियासी हालात को लेकर मंथन होगा। यह बैठक दिल्ली स्थिति एआइसीसी कार्यालय में शाम चार बजे से होगी।

जब देशभर में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के कैंपस खुलेंगे: पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय राष्ट्र को समर्पित किया और इसके प्रथम दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के प्रथम दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वर्ष 2002 से 2013 तक जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे, उस समय उन्होंने क़ानून और व्यवस्था के विषय को एक नए नज़रिए से देखने की शुरूआत की। अंग्रेज़ों के समय से एक परिपाटी चली आ रही थी कि क़ानून-व्यवस्था के क्षेत्र और पुलिस बल में लोग सिर्फ़ नौकरी करने आते थे। लेकिन मोदी जी जब गुजरात के मुख्यमंत्री बने तब उन्होंने सबसे पहला काम किया, समग्र पुलिस बल के आधुनिकीकरण का। उनके नेतृत्व में शत-प्रतिशत पुलिस थानों का कम्प्यूटरीकरण करने वाला गुजरात देश का पहला राज्य बना। श्री शाह ने कहा कि मोदी जी ने थानों को कनेक्ट करने के लिए एक अत्याधुनिक सॉफ़्टवेयर बनवाया जिसके ज़रिए कॉन्स्टेबल की भर्ती में कम्प्यूटरसेवी कॉन्स्टेबलों को प्राथमिकता दी गई, सेवारत सभी कॉन्स्टेबलों के प्रशिक्षण का एक विस्तृत कार्यक्रम चलाया गया और पूरे पुलिस बल का कम्प्यूटरीकरण किया। जेलों और फॉरेन्सिक प्रयोगशालाओं को भी इसके साथ जोड़ने का काम किया गया।

अमित शाह ने कहा कि गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 बड़ी पहल कीं। पहली, देश में सबसे अच्छी लॉ यूनिवर्सिटी बनाने का काम किया, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी की परिकल्पना की और विश्वस्तरीय फ़ॉरेन्सिक साइंस यूनिवर्सिटी भी गुजरात में बनी। क़ानून और व्यवस्था से जुड़े तीनों पहलुओं को मोदी जी ने यूनिवर्सिटी बनाकर शुरू से ही प्रशिक्षण के साथ जोड़कर युवाओं को ये सुविधा उपलब्ध कराई। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने गुजरात में एक बहुत बड़ा व्यवस्था परिवर्तन किया था और देश के सामने एक मॉडल शुरू किया था कि अगर बच्चों की ट्रेनिंग एक क्षेत्र विशेष में की जाए तो वे यहीं से निकल कर उस क्षेत्र में योगदान दे सकेंगे। उन्होंने कहा कि आधुनिकीकरण और कम्प्यूटराइज़ेशन होने के बाद गुजरात पुलिस की सज़ा दिलाने की दर सिर्फ़ 3 साल में 22 प्रतिशत बढ़ गई। चाहे ्च्लृ-ङ्काॐद्भङ्खाद्यह्रछ्व हो, यहां से विशेषज्ञ बाहर निकलने हों, योगदान देने वाले सरकारी कर्मयोगी यहां से निकलने हों, इन सबकी शुरूआत देश के प्रधानमंत्री जी ने की थी। प्रधानमंत्री ने कहा कि जेलों की व्यवस्था को भी सुधारने के लिए आधुनिक तकनीक का उपयोग जरूरी है। विशेषज्ञों को जेल में भेजकर अपराध की प्रकृति व अपराधी की मानसिकता का अध्ययन कराया जाए ताकि अपराधी को जेल से एक अच्छा नागरिक बनाकर निकाला जा सके। मोदी ने कहा सेना, पुलिस जवानों के तनाव को कम करने के लिए पहले कोई व्यवस्था नहीं थी लेकिन आज बडे पैमाने पर योग शिक्षक भर्ती किए जा रहे हैं। मोदी ने कहा 12 मार्च नमक सत्याग्रह के लिए जाना जाता है, इस दिन दुनिया को भारत ने गांधीजी के अगुवाई में सामूहिक शक्ति का अहसास कराया। साइबर युग में अपराधी आधुनिक तकनीक से सुसज्ज होकर अपराधों को अंजाम दे रहे हैं इसलिए उन्हें पकड़ने के लिए भी आधुनिक तकनीक व साइबर विशेषज्ञों की जरुरत है। प्रधानमंत्री ने बताया कि जब इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जा रही थी तब इस क्षेत्र से जुडे दुनिया के कई नामी संस्थानों को देखकर अलग अलग जगहों से विविध विषयों के विशेषज्ञों को लाया गया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते पुलिस थानों का 100 फीसदी कंप्यूटराइजेशन कर इंटरनेट से जोड़ दिया जिसके कारण अपराधियों को पकड़ने की दर बढ़ी है। उच्च तकनीक का एक साफ्टवेयर भी उस वक्त तैयार करा कर थानों को दिया गया था। शाह ने बताया कि जेल सुधार, फारेंसिक साइंस लैब, रक्षा शक्ति यूनिवर्सिटी को आधुनिकीकरण एवं प्रशिक्षण से जोड़ने का कार्य प्रधानमंत्री मोदी ने 2002 से 2013 के बीच ही कर दिया था।

ईपीएफओ ने पीएफ पर ब्याज दर घटाई

मुंबई (ईएमएस)। चालू वित्त वर्ष के लिए एंप्लॉयी प्रोविडेंट फंड ऑर्गनाइजेशन ने ब्याज दर घटाकर 8.1 फीसदी कर दी है। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए प्रोविडेंट फंड पर मिलने वाली ब्याज दर 8.5 फीसदी थी। हालांकि चालू वित्त वर्ष में इसें 40 आधार अंक से घटा दिया गया है। ईपीएफओ के फैसले का असर 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स पर होगा। ब्याज दर को लेकर गुवाहाटी में ईपीएफओ सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की दो दिनों से बैठक जारी थी। इसी बैठक में यह फैसला लिया गया है। मौजूदा बाजार की स्थिति और रूस-यूक्रेन क्राइसिस को देखते हुए यह माना जा रहा था कि ब्याज दर में कटौती की जा सकती है। पिछले दो वित्त वर्षों से ब्याज दर में किसी तरह का बदलाव नहीं किया गया है। पहली बार वित्त वर्ष 2019-20 में ब्याज दर घटाकर 8.5 फीसदी किया गया। वित्त वर्ष 2020-21 में भी इसे 8.5 फीसदी रखा गया। वर्तमान में ईपीएफओ से करीब 7 करोड़ सब्सक्राइबर्स से जुड़े हुए हैं। मोदी सरकार जब सत्ता में आई थी तब ब्याज दर 8.75 फीसदी थी। वित्त वर्ष 2014-15 में ब्याज दर 8.75 फीसदी, वित्त वर्ष 2015-16 में ब्याज दर 8.80 फीसदी, वित्त वर्ष 2016-17 में ब्याज दर 8.65 फीसदी, वित्त वर्ष 2017-18 में ब्याज दर 8.55 फीसदी, वित्त वर्ष 2018-19 में ब्याजदर 8.65 फीसदी और वित्त वर्ष 2019-20 से ब्याज दर 8.5 फीसदी पर बरकार है।

उप्र और पंजाब में आगे बढ़ी सरकार के गठन की तैयारी, सीएम योगी रविवार को पीएम मोदी से मिलने जा सकते हैं दिल्ली

नई दिल्लीः चुनाव परिणाम आने के बाद उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर में सरकार गठन की कवायद तेज हो गई है। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार देर रात लखनऊ में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक की और वह रविवार को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात करेंगे। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक दल के नेता भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से राजभवन में मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया। उन्होंने सत्ता संभालने से पहले ही मंत्रियों, पूर्व विधायकों, सभी राजनीतिक पार्टी के पूर्व अध्यक्षों की सुरक्षा वापस लेने का निर्णय लिया है।

पंजाब में मुख्यमंत्री पद के लिए शपथ ग्रहण समारोह 16 को होगा, जबकि निर्वाचित विधायक 17 मार्च को शपथ लेंगे। नई सरकार ने इसी दिन विधानसभा का सत्र भी बुला लिया है। सत्र जल्दी बुलाने का कारण आगामी राज्यसभा चुनाव को माना जा रहा है, जिसकी प्रक्रिया 21 मार्च को शुरू होगी। उत्तराखंड में भाजपा को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बावजूद मुख्यमंत्री के नाम को लेकर धुंधलका अभी तक नहीं छट पाया है। यद्यपि, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का दावा मजबूत बना हुआ है, लेकिन मुख्यमंत्री कौन बनेगा, इसे लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गुजरात से दिल्ली लौटने के बाद तस्वीर साफ होगी।

इस बीच महिलाओं की ओर से किसी महिला विधायक को सरकार की कमान सौंपने की मांग उठाई गई है। यह भी माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व चौंका भी सकता है। संभव है कि निर्वाचित विधायकों में से ही किसी नए चेहरे को अवसर दिया जाए। इस क्रम में पूर्व मुख्यमंत्री भुवन चंद्र खंडूड़ी की पुत्री और कोटद्वार से नवनिर्वाचित विधायक ऋतु खंडूड़ी भूषण का नाम चर्चा में है। माना जा रहा कि देहरादून से दिल्ली लौटे पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय प्रह्लाद जोशी और पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के गुजरात से लौटने पर वस्तुस्थिति से अवगत कराएंगे। इसके बाद पार्टी नेतृत्व मुख्यमंत्री के संबंध में निर्णय लेगा। गोवा में मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने राज्यपाल को इस्तीफा सौंप दिया है। नई सरकार के गठन तक वह कार्यवाहक मुख्यमंत्री बने रहेंगे। भाजपा यहां सबसे बड़े दल के रूप में उभरी है। 40 सदस्यीय विस में उसने 20 सीटें जीती हैं।

पांच राज्यों के चुनाव में हार से सवालों के घेरे में आई कांग्रेस ने रविवार को पार्टी कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी की अध्यक्षता में शाम चार बजे होने वाली इस बैठक में हार की समीक्षा करने के साथ मौजूदा संकट से उबरने के उपायों पर चर्चा होगी। असंतुष्ट नेताओं का समूह जी 23 इस बैठक में नेतृत्व की कमजोरियों को लेकर उसे घेरने की तैयारी में है। विधानसभा चुनाव-2022 के नतीजे आने के बाद पांचों चुनावी राज्यों में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ रविवार को पीएम मोदी से मुलाकात करेंगे। वहीं आम आदमी पार्टी के भगवंत मान ने राज्यपाल बनवारी लाल पुरोहित से मुलाकात की है।

उपचुनाव का ऐलान; 12 अप्रैल को वोटिंग, नतीजे 16 को आएंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, बिहार और महाराष्ट्र में उपचुनाव की तारीख की घोषणा कर दी है। बंगाल की दो और छत्तीसगढ़, बिहार, महाराष्ट्र की एक-एक सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए नामांकन 17 मार्च से शुरू होगा, नामांकन की आखिरी तारीख 24 मार्च है। 25 मार्च को नामांकन भरने वाले उम्मीदवारों के दस्तावेज जांचें जाएंगे। वहीं उम्मीदवार 28 मार्च तक अपना नामांकन वापस ले सकते हैं। सभी पांचों सीटों पर 12 अप्रैल को वोटिंग होगी और 16 अप्रैल को नतीजे आएंगे।

चुनाव आयोग के मुताबिक, पश्चिम बंगाल की आसनसोल (40) लोकसभा सीट, बैलीगंज (161) विधानसभा सीट, छत्तीसगढ़ की खैरागढ़ (73) विधानसभा सीट, बिहार की (91) बोचहां विधानसभा सीट और महाराष्ट्र की कोल्हापुर (276) विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है।

रूस-यूक्रेन की जंग में मोहरा बना अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन

मास्को (ईएमएस)। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग में अब अंतरिक्ष स्पेस स्टेशन पर भी संकट के बादल मंडराने लगे हैं। रूस लगातार अपने ऊपर लगे कड़े प्रतिबंधों को लेकर न सिर्फ आगाह कर रहा है, बल्कि रुस अब धमकी तक देने लगा है। रूस इस जंग को जीतने और पश्चिमी देशों सहित अमेरिका पर दबाव बनाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

इसी कड़ी में रुस ने धमकी दी है कि उसके खिलाफ लगे पश्चिमी देशों और अमेरिकी प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन के दुर्घटनाग्रस्त होने का कारण बन सकते हैं। रूसी अंतरिक्ष एजेंसी रोस्कोस्मोस के प्रमुख ने चेतावनी दी, दंडात्मक उपायों को उठाने का आह्वान किया है। बता दें कि जब से रूस और यूक्रेन के बीच जंग शुरू हुई है, तभी से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

इसके पहले रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा था कि आईएसएस इन हालातों में भारत या चीन पर गिर भी सकता है। पश्चिमी देशों और अमेरिका के लगातार बढ़ते प्रतिबंधों के बीच रूसी अंतरिक्ष एजेंसी ने रोस्कोमोस ने इसके संकेत दिए हैं, कि वहां आने वाले समय में अपना स्पेस स्टेशन तक स्थापित कर सकता है। हालांकि इस काम में उस कुछ समय जरूर लग जाएगा। इस बीच बताया है कि अंतरिक्ष स्टेशन की ऊंचाई को बढ़ा दिया गया है।

बता दें कि अंतरिक्ष स्टेशन में रूस की अहम भागीदारी रही है। अमेरिका इसके संचालन में रूस का सहयोग लेता रहा है। वहीं अमेरिका और रूस समेत दूसरे देशों के अंतरिक्ष यात्री इस स्टेशन का हिस्सा बनते आए हैं। गौरतलब है कि रूस ने यूक्रेन पर 24 फरवरी को हमला किया था। इसके बाद से लगातार रूस यूक्रेन पर बमबारी कर रहा है। बीते कुछ दिनों से रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में जबरदस्त हवाई हमले किए हैं। इनमें कई लोगों की मौत हो गई है।

एएफपी के मुताबिक रूस की सेना कीव से अब अधिक दूर नहीं रह गई है। वहीं यूक्रेन के प्रमुख बंदरगाह वाले शहर मारियुपोल पर भी रूस के जबरदस्त हमले जारी हैं। इन हमलों से बचने के लिए लगातार लोग यूक्रेन से भाग रहे हैं। पड़ोसी देशों में अब तक यूक्रेन के करीब 20 लाख शरणार्थी पहुंच चुके हैं। हर रोज इनकी गिनती बढ़ती ही जा रही है।

पीएम मोदी ने दिल्ली के गोकुलपुरी अग्निकांड पर जताया दुख

-जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की

नई दिल्ली(ईएमएस)। पीएम नरेंद्र मोदी ने राजधानी दिल्ली के गोकुलपुरी इलाके के झुग्गी-झोपडी बस्ती में लगी भयानक आग पर दुख जाहिर करते हुए इस अग्निकांड में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त की है। देश की राजधानी दिल्ली में हुए इस अग्निकांड पर दुख जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली के गोकुलपुरी में अग्निकांड से हुआ हादसा हृदयविदारक है। इस हादसे में जिन लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है, उनके परिजनों के प्रति मैं गहरी संवेदना प्रकट करता हूं। ईश्वर उन्हें इस अपार दुख को सहने की शक्ति प्रदान करे।

गोकुलपुरी इलाके की झुग्गी-झोपड़ी बस्ती में शुक्रवार देर रात लगी भीषण आग में एक बच्चे सहित कुल 7 लोगों की जलकर मौत हो गई है। इस भीषण आग की वजह से 60 के लगभग झुग्गियां क्षतिग्रस्त हो गई हैं और 30 के लगभग झुग्गियां तो पूरी तरह से जल गई हैं। लोकसभा सांसद और दिल्ली भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मनोज तिवारी ने घटनास्थल का दौरा कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने दिल्ली सरकार से इस अग्निकांड की न्यायिक जांच कराने और मृतकों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये की सहायता राशि देने की मांग भी की है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल गोकुलपुरी पहुंचे, जहां बीती रात झुग्गियों में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। उन्होंने कहा, मैं इस हादसे से दुखी हूं जिसमें 7 लोगों की मृत्यु हो गई है। बहुत मेहनत के बाद ग़रीब अपना ठिकाना बनाते हैं। सरकार मृतकों के परिवारों को 10 लाख रुपए, मृतक बच्चों के परिवारों वालों को 5 लाख रुपए और जिनकी झोपड़ियां जली हैं उन्हें 25,000 रुपए देगी।

कांग्रेस के लिए निर्णायक होगी कार्यसमिति की कल की बैठक, पांच राज्यों में करारी हार की समीक्षा के साथ संगठन पर होगी चर्चा

नई दिल्ली। पांच राज्यों के चुनाव में हार से कांग्रेस के गहराए संकट और संगठन में बदलाव की दुबारा उठी आवाज के बीच सोनिया गांधी ने रविवार को पार्टी कार्यसमिति की बैठक बुलाई है। इसमें हार की समीक्षा करने के साथ मौजूदा संकट से उबरने के उपायों पर चर्चा होगी। कांग्रेस के सिकुड़ते आधार से बेचैन पार्टी के असंतुष्ट नेताओं का समूह जी 23 इस बैठक में नेतृत्व की कमजोरियों को लेकर उसे घेरने की तैयारी में है। इसलिए बैठक के दौरान गरमागरम बहस की पूरी संभावना है। पार्टी की दुर्दशा पर चौतरफा उठाए जा रहे सवालों और बदलाव के लिए असंतुष्ट खेमे के आक्रामक तेवरों को भांपते हुए कांग्रेस नेतृत्व भी अब ज्यादा देरी का जोखिम उठाने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में कार्यसमिति की रविवार को होने वाली सबसे निर्णायक बैठक में कांग्रेस के नए अध्यक्ष का चुनाव तय समय से पूर्व कराने का फैसला लिए जाने की संभावना से इन्कार नहीं किया जा रहा है।

कांग्रेस के नए अध्यक्ष का चुनाव जल्द कराने का कार्यसमिति में फैसला होता है तो इसका मतलब साफ होगा कि हाईकमान पार्टी में बढ़ रही बेचैनी को विद्रोह में तब्दील नहीं होने देना चाहता। संगठन चुनाव के वर्तमान कैलेंडर के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव सितंबर में होना है मगर 10 मार्च के चुनाव नतीजों के बाद असंतुष्ट खेमे के नेतृत्वकर्ता गुलाम नबी आजाद से लेकर शशि थरूर सरीखे नेताओं ने संगठन में तत्काल बदलाव और सुधार की जो आवाज उठाई है उसे देखते हुए नेतृत्व के लिए मौजूदा ढर्रे पर चलना अब मुश्किल हो गया है।

जी-23 नेताओं की आजाद के घर शुक्रवार रात हुई बैठक में भी पार्टी अध्यक्ष का चुनाव तत्काल कराने और दूसरे संगठनात्मक सुधारों का कदम उठाने पर न केवल गंभीर चर्चा हुई बल्कि स्पष्ट राय जाहिर की गई कि अब बदलाव के लिए वे लंबा इंतजार नहीं करेंगे। असंतुष्ट खेमे के निर्णायक कदम उठाने के संकेतों का ही दबाव है कि हाईकमान ने हार की समीक्षा के लिए कार्यसमिति की बैठक बुलाने का फैसला करने में देरी नहीं की है।

सोनिया गांधी की अध्यक्षता में कांग्रेस मुख्यालय में शाम चार बजे होने वाली कार्यसमिति की बैठक में स्वाभाविक रूप से नेतृत्व निशाने पर होगा। क्योंकि जी 23 नेताओं ने करीब दो साल पहले संगठन में बदलाव के लिए जिन सुझावों के साथ कांग्रेस अध्यक्ष को पत्र भेजा था उन पर अमल नहीं हुआ है। हालांकि कांग्रेस कार्य समिति (ण्दहुी ंदेव्हु ण्दस्स्रूा, ऐंण) की बैठक से पहले कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने रविवार को सुबह 10.30 बजे पार्टी के संसदीय रणनीति समूह की बैठक 10 जनपथ पर बुलाई है। पिछले साल मई में चार राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, असम और पुडुचेरी की हार के बाद भी असंतुष्ट नेताओं ने इन सवालों को उठाया तब कार्यसमिति की बैठक बुलाकर पराजय की समीक्षा के लिए एक समिति बना दी गई। लेकिन इस समिति की रिपोर्ट पर कार्यान्वयन तो दूर इसकी सिफारिशें क्या थीं पार्टी नेताओं को यह भी नहीं मालूम।

बताया जाता है कि असंतुष्ट खेमे के नेताओं को पांच राज्यों की ताजा हार के बाद देश भर से कांग्रेस के नेताओं, कार्यकर्ताओं के संदेश आ रहे हैं कि अब निर्णायक सुधारों पर आगे नहीं बढ़ा गया तो पार्टी का अस्तित्व संकट में होगा। असंतुष्ट खेमे के नेताओं के बीच वैसे शनिवार को भी कार्यसमिति की रविवार को होने वाली बैठक के दौरान अपनाई जाने वाली रणनीति पर चर्चा हुई और उनके तेवरों का संकेत साफ है कि नेतृत्व विशेषकर पंजाब, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में हुई दुर्गति को लेकर निशाने पर रहेगा।

पंजाब में राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा ने ही नवजोत सिंह सिद्धू को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और चरणजीत सिंह चन्नी को मुख्यमंत्री बनाने का फैसला कर कैप्टन अमरिंदर सिंह को बाहर का रास्ता दिखाया। उत्तराखंड में भी हरीश रावत को चुनावी कमान सौंपे जाने के बाद भी नेतृत्व ने कमान कसी रखी और उत्तर प्रदेश के चुनाव का संचालन खुद प्रियंका ने किया जहां कांग्रेस इस चुनाव में इतिहास के अपने सबसे बुरे दौर में पहुंच गई।

देश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता हैः पीएम मोदी

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज अहमदाबाद में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय का एक भवन राष्ट्र को समर्पित किया और अपना पहला दीक्षांत भाषण दिया। इस अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे। शुरुआत में, प्रधानमंत्री ने महात्मा गांधी और दांडी मार्च में भाग लेने वालों को श्रद्धांजलि दी। इस दिन महान मार्च की शुरुआत की गई थी। प्रधानमंत्री ने कहा, ठअंग्रेजों के अन्याय के खिलाफ गांधी जी के नेतृत्व में जो आंदोलन चला, उसने अंग्रेजी हुकूमत को हम भारतीयों के सामूहिक सामर्थ्य का एहसास करा दिया था।

प्रधानमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान आंतरिक सुरक्षा की धारणा औपनिवेशिक शासकों के लिए शांति बनाए रखने के लिए जनता में भय पैदा करने पर आधारित थी। इसी तरह, पहले का परिदृश्य बहुत अलग था क्योंकि सुरक्षा बलों के पास तैयारी के लिए अधिक समय था जो अब नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी तथा परिवहन एवं संचार में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि आज की पुलिसिंग के लिए बातचीत और अन्य सॉफ्ट स्किल्स जैसे कौशल की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की छवि बदलने की जरूरत पर बल दिया। लोकप्रिय संस्कृति में भी पुलिस का चित्रण इस संबंध में मददगार नहीं है। उन्होंने महामारी के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए मानवीय कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद, देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार की आवश्यकता थी। एक धारणा विकसित की गई थी कि हमें वर्दीधारी कर्मियों से सावधान रहना होगा। लेकिन अब यह बदल गया है। जब लोग अब वर्दीधारी कर्मियों को देखते हैं, तो उन्हें मदद का आश्वासन मिलता है। प्रधानमंत्री ने पुलिस कर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ठदेश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता है।

राज्यपाल को गोवा के सीएम ने सौंपा इस्तीफा

मुंबई (ईएमएस)। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने अपने पहले कार्यकाल समाप्त होने पर पणजी में राज्यपाल पी.एस.श्रीधरन पिल्लई को इस्तीफा सौंपा। इसके बाद उन्होंने कहा कि मैंने अपना इस्तीफा सौंप दिया है। प्रक्रिया पूरी होने तक सरकार ने मुझे कार्यवाहक मुख्यमंत्री बनने के लिए पत्र दिया। 4 राज्यों में शपथ ग्रहण पर अभी फैसला नहीं हुआ है। केंद्रीय पर्यवेक्षक के आने के बाद विधायक दल की बैठक होगी और तारीखें तय होगी।

गोवा में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के बारे में पूछने पर पूर्व मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि एमजीपी ने हमें अपना समर्थन दिया है। अभी तक प्रेक्षक नहीं आए हैं। इससे पहले बीते दिनों सावंत ने अपने मंत्रिमंडल की बैठक की थी जिसमें 14 मार्च को मौजूदा विधानसभा को भंग करने की सिफारिश करने का फैसला लिया गया था।

14 मार्च को पेश कर सकते हैं सरकार बनाने का दावा

बीजेपी के सूत्रों का दावा है, कि देवेंद्र फडणवीस ने प्रमोद सावंत के नाम पर मुहर लगा दी है। ये गोवा की बीजेपी यूनिट को भी बताया गया है। सूत्रों का कहना है कि शनिवार रात तक केंद्रीय ऑब्जर्वर पीयूष गोयल गोवा पहुंच सकते हैं। सूत्रों की मानें,तब विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद प्रमोद सावंत 14 मार्च को राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश कर सकते हैं।

विधानसभा चुनावों में शर्मनाक हार से कांग्रेस में भूचाल

नई दिल्ली (ईएमएस)। पांचों विधानसभा चुनावों में करारी हार को लेकर कांग्रेस पार्टी में भूचाल है। जानकारी मिली है कि रविवार को सुबह 10.30 बजे ऑल इंडिया कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक होगी। इससे पहले जी-23 ग्रुप भी शुक्रवार को इस संबंध में बैठक कर चुका है। कांग्रेस के असंतुष्ट खेमे ने एक बार फिर कांग्रेस पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग उठाई है। यूपी, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को करारी हार मिली है। पंजाब विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपनी सत्ता गंवा दी और बाकी राज्यों में सरकार बनाना तो दूर जीतने वाली पार्टी को टक्कर देने में भी विफल रही। जानकारी मिली है कि कांग्रेस पार्टी में हार पर मंथन के लिए कांग्रेस पार्टी के दिग्गज रविवार सुबह 10.30 बजे बैठक करेंगे। जिसमें आगे की रणनीति पर विचार किया जाएगा। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से प्रियंका गांधी ने कमान संभाली थी। उन्होंने लड़की हूं, लड़ सकती हूं को लेकर चुनाव में तख्तापलट की रणनीति की थी। लेकिन कांग्रेस का मुद्दा कहीं नहीं टिका। एक बार फिर शर्मनाक प्रदर्शन के चलते कांग्रेस को सिर्फ दो फीसदी वोट मिले और 403 सीटों में सिर्फ दो सीट ही जीत पाईं। पंजाब विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस पार्टी के लिए सबसे ज्यादा निराशाजनक रहे। यहां सीएम चरणजीत सिंह चन्नी अपनी दोनों विधानसभाएं हार गए। पार्टी के प्रदेश मुखिया नवजोत सिंह सिद्धू को भी हार का सामना करना पड़ा। दोनों दिग्गजों को आम आदमी पार्टी के नौसिखियों से मात मिली। पंजाब में 77 सीट से इस बार जनता ने कांग्रेस को 19 पर लाकर पटक दिया। कांग्रेस का असंतुष्ट खेमा (जी-23 ग्रुप) भी पार्टी की शर्मनाक हार पर चिंता जता चुका है। बीते शुक्रवार को गुलाम नबी आजाद के आवास पर इन नेताओं ने बैठक भी की। जिसमें कांग्रेस के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग फिर उठी है। इस बैठक में कपिल सिब्बल और मनीष तिवारी भी शामिल थे।

नेपाली क्षेत्र में लगातार घुसपैठ कर रहा चीन

नई दिल्ली (ईएमएस)। नेपाल सरकार ने चीन पर नेपाली क्षेत्र में अतिक्रमण करने का आरोप लगाया है। नेपाल सरकार की सितंबर 2021 की रिपोर्ट के हवाले से यह जानकारी दी है। नेपाल के हुमला जिले में चीनी अतिक्रमण के बाद नेपाल सरकार ने इस मामले जो लेकर एक कमीशन बनाई थी। रिपोर्ट बताती है कि चीनी सुरक्षा बलों की निगरानी गतिविधियों ने नेपाल की सीमा पर लालुंगजोंग नामक स्थान पर धार्मिक गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था। इसमें आगे कहा गया है कि चीन नेपाली किसानों के मवेशी चराई को भी सीमित कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन एक बॉर्डर पिलर के चारों ओर एक बाड़ का निर्माण कर रहा था और बॉर्डर के नेपाली हिस्से में एक नहर और एक सड़क बनाने की कोशिश कर रहा था। रिपोर्ट में सुरक्षा बढ़ाने के लिए क्षेत्र में नेपाली सुरक्षा बलों की तैनाती का भी सुझाव दिया गया है। रिपोर्ट बताती है कि चीनी सुरक्षा बलों की निगरानी गतिविधियों ने नेपाल की सीमा पर लालुंगजोंग नामक स्थान पर धार्मिक गतिविधियों को प्रतिबंधित कर दिया था। इसमें आगे कहा गया है कि चीन नेपाली किसानों के मवेशी चराई को भी सीमित कर रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन एक बॉर्डर पिलर के चारों ओर एक बाड़ का निर्माण कर रहा था और बॉर्डर के नेपाली हिस्से में एक नहर और एक सड़क बनाने की कोशिश कर रहा था। रिपोर्ट में सुरक्षा बढ़ाने के लिए क्षेत्र में नेपाली सुरक्षा बलों की तैनाती का भी सुझाव दिया गया है।

कार्टून कोना

अगर कांग्रेस नहीं होती तो ममता बनर्जी जैसे लोग पैदा नहीं होते : अधीर रंजन चौधरी

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस के सीनियर नेता अधीर रंजन चौधरी ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर शनिवार को जमकर निशाना साधा। उन्होंने यहां तक कह दिया कि अगर कांग्रेस नहीं होती तो ममता बनर्जी जैसे लोग पैदा नहीं होते। उन्हें यह याद रखना चाहिए। अधीर रंजन ने कहा, ठवे कांग्रेस के खिलाफ टिप्पणी क्यों कर रही हैं? अगर कांग्रेस नहीं होती तो ममता बनर्जी जैसे लोग पैदा नहीं होते। उन्हें यह याद रखना चाहिए। वे बीजेपी को खुश करने के लिए गोवा गईं, उन्होंने कांग्रेस को हरा दिया। आपने गोवा में कांग्रेस को कमजोर किया, यह सब जानते हैं। कांग्रेस नेता ने ममता बनर्जी पर भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने का आरोप लगाया। अधीर रंजन ने कहा, ठवे (ममता बनर्जी) भाजपा को खुश करने और भाजपा के एजेंट के रूप में काम करने के लिए ऐसा कह रही हैं। प्रासंगिक बने रहने के लिए वह इस तरह की बातें कहती हैं। पागल व्यक्ति को जवाब देना सही नहीं है, पूरे भारत में कांग्रेस के 700 विधायक हैं। दीदी के पास हैं? कांग्रेस के पास विपक्ष के कुल वोट शेयर का 20ङ है। क्या उनके पास है दरअसल, विधानसभा चुनावों में चार राज्यों में भाजपा की जीत के बाद बीजेपी-विरोधी गठबंधन के लिए ममता ने क्षेत्रीय दलों से संपर्क साधने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इस सिलसिले में उन्होंने शुक्रवार को कहा था कि कांग्रेस को साथ रखने का कोई मतलब नहीं है क्योंकि अब उसमें वह बात नहीं रही। बनर्जी ने कहा, ''मुझे लगता है कि भाजपा का मुकाबला करने को इच्छुक सभी राजनीतिक दलों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। कांग्रेस पर निर्भर रहने का कोई मतलब नहीं है। ममता ने कहा कि कांग्रेस पहले जीतने में सफल होती थी क्योंकि उसके पास संगठन था। लेकिन अब, अब वह हर जगह हार रही है। ऐसा नहीं लगता है कि अब उन्हें (जीतने में) कोई दिलचस्पी है। उनकी विश्वसनीयता खत्म हो गई है। बनर्जी ने यह भी कहा कि कई मजबूत क्षेत्रीय पार्टियां हैं और वह एकजुट होकर ज्यादा प्रभावी होंगी।

दुर्घटनग्रस्त होते होते बचा एयर इंडिया का विमान, सभी सवार 54 यात्री सुरक्षित

जबलपुर (ईएमएस)। जबलपुर के डुमना हवाई अड्डे पर शनिवार को एयर इंडिया का विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गया। दिल्ली से चलकर आने वाला यह विमान एयरपोर्ट पर लैंड करते समय अनियंत्रित हो गया। इसके चलते विमान फिसलते हुए रनवे से बाहर चला गया। इससे यात्रियों में हड़कंप मच गया। बाद में पायलटों की सूझबूझ से किसी तरह विमान को वापस रनवे पर लाया गया। विमान में 54 यात्री सवार थे।

बताया जाता है कि दिल्ली से चलकर जबलपुर आने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट ई-6 दोपहर को जबलपुर के डुमना एयरपोर्ट पर पहुंची थी। हवाई पट्टी पर उतरते वक्त विमान अनियंत्रित होकर रनवे से बाहर की तरफ जाने लगा। इससे विमान में हड़कंप मच गया और यात्री भयभीत हो गए।

इसके बाद पायलटों की सूझबूझ से विमान किसी तरह रनवे पर लाया गया। एयरपोर्ट पर दुर्घटना बचने की जानकारी होते ही एयरपोर्ट अथॉरिटी और फायरब्रिगेड के लोग मौके पर पहुंचे। इसके बाद लोगों को सकुशल बाहर लाया गया। विमान कैसे रनवे से फिसला और यह हादसा कैसे हुआ इसकी जांच की जा रही है।

जन हितैषी

अवसरों की समानता

वित्त वर्ष 2022-23 के बजट की संतोषदायक बात यह मानी जा रही है कि इस वर्ष देश की सकल घरेलू उत्पाद विकास (जीडीपी) दर नौ फीसद से ऊपर बनी रहेगी। यह अर्थव्यवस्था पर महामारी के प्रभाव के बावजूद है। भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं में की जाती है और अनुमान है कि अगले एक दशक में यह विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी। यह अनुमान उस समय देश के संभावित जीडीपी के आधार पर लगाया गया है। आमतौर पर किसी अर्थव्यवस्था की स्थिति का आकलन उसके जीडीपी के ही आधार पर किया जाता है। इसके अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी क्रमशः पहले से चौथे स्थान और भारत पांचवे स्थान पर है। यह ध्यान देने योग्य है कि इनमें से चीन को छोड़ बाकी सभी देशों की आबादी भारत की अपेक्षा कम है, फिर भी वे अर्थव्यवस्था के आकार के लिहाज से भारत से आगे हैं और इनकी गिनती विकसित देशों में होती है। जबकि भारत को विकासशील देश माना जाता है। विकसित देशों में जो अवसंरचना मौजूद है और लोगों का जो औसत जीवन स्तर है, वह भारत से बहुत आगे है। साथ ही ऐसे कई देश हैं जिनकी जीडीपी विकास दर भारत की अपेक्षा कम है, मगर समग्र विकास के मामले में वे भारत से आगे हैं। यही विश्लेषण इस प्रश्न को जन्म देता है कि क्या जीडीपी और विकास दर किसी अर्थव्यवस्था की सही स्थिति को दर्शाते हैं? जीडीपी एक देश की भौगोलिक सीमाओं के दायरे में निर्दिष्ट समयावधि के भीतर उत्पादित माल तथा सेवाओं का मूल्य होता है। इसकी गणना तीन तरीकों से की जाती है- पहला उत्पादनों के मूल्य के आधार पर, दूसरा- व्ययों की राशि के आधार पर और तीसरा आय के आधार पर। आधार कोई भी हो, पर अर्थशास्त्रियों के साथ-साथ समाजशास्त्रियों के भी एक वर्ग का मानना है कि सिर्फ जीडीपी और इसके बढ़ने की दर के आंकड़े को देख कर अर्थव्यवस्था की पूरी स्थिति नहीं जानी जा सकती। जैसे व्यापारिक जगत में प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक रूप से दिखती है, वैसे ही विभिन्न देश भी एक दूसरे से आगे निकलने की कोशिश में हैं। ज्यादातर यह होड़ आर्थिक मोर्चे पर होती है। वैसे भी लोकतांत्रिक सरकारें अपने-अपने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर ध्यान लगाती हैं। ऐसा करने के पीछे के प्रयोजनों में एक इसे अपना कर्तव्य समझ कर करना होता है। दूसरा प्रयोजन सरकारों द्वारा अपनी साख बनाने से है, ताकि उनकी आर्थिक उपलब्धियों के आधार पर उन्हें सत्ता में दोबारा आने का मौका मिले। इस प्रकार सकल घरेलू उत्पाद के आर्थिक एवं राजनीतिक दोनों निहितार्थ हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि समग्र रूप से एक देश की माली हालत का आकलन करना एक कठिन कार्य है। ऐसे में यहां सकल घरेलू उत्पाद एक बड़ी मदद बन कर आता है। इसकी अवधारणा के प्रशंसकों की कमी नहीं है। वर्तमान में जो अर्थव्यस्थाएं अपने संसाधनों का भरपूर दोहन कर रही हैं, आंकड़ों में उनका जीडीपी ज्यादा होगा। लेकिन इस दोहन की जो कीमत चुकानी पड़ सकती है, उसका इसमें कोई हिसाब नहीं होता। कई ऐसे अवसर हो सकते हैं जब जीडीपी में ऊंचा स्थान रखने वाला देश अपने से पिछड़े देश से भी किसी महत्वपूर्ण मोर्चे पर पिछड़ जाए। यह जरूरी नहीं कि किसी देश का जीडीपी वहां के निवासियों के जीवन की गुणवत्ता को भी सही प्रकार से दर्शाए, क्योंकि इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और अवसरों की समानता जैसी बातों को हिसाब में नहीं लिया जाता, जो किसी भी दृष्टि से रुपए-पैसे से कम महत्वपूर्ण नहीं है। इसे समझने के लिए कहीं दूर जाने की जरूरत नहीं है। हम शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने के रास्ते पर हैं, मगर कुछ जमीनी सच्चाइयों को समझना भी जरूरी है। अर्थव्यवस्था का आकार भले बढ़ रहा हो, मगर यह रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा करने में विफल रही है। करोड़ों की तादाद उन लोगों की है जो अपनी काबिलियत अथवा योग्यता के अनुरूप नियोजित नहीं हैं और जो भी काम मिल गया, उसी को अपनी नियति मानने को बाध्य हैं।

अब खत्म हो यूक्रेन-संकट

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन के इस दावे का यूक्रेन ने खंडन कर दिया है कि रूस-यूक्रेन वार्ता में कुछ प्रगति हुई है। इधर तुर्की में रूस और यूक्रेन के विदेश मंत्रियों के बीच पिछले तीन दिनों से बराबर संवाद चल रहा है। जब यूक्रेन पर रूस का हमला शुरु हुआ था तो ऐसा लग रहा था कि दो-तीन दिन में ही झेलेंस्की-सरकार धराशायी हो जाएगी और यूक्रेन पर रूस का कब्जा हो जाएगा लेकिन दो हफ्तों के बावजूद यूक्रेन ने अभी तक घुटने नहीं टेके हैं। उसके सैनिक और सामान्य नागरिक रूसी फौजियों का मुकाबला कर रहे हैं। इस बीच सैकड़ों रूसी सैनिक मारे गए हैं और उसके दर्जनों वायुयान तथा अस्त्र-शस्त्र मार गिराए गए हैं। यूक्रेनी लोग भी मर रहे हैं और कई भवन भी धराशायी हो गए हैं। यूक्रेन का इतना विध्वंस हुआ है कि उससे पार पाने में उसे कई वर्ष लगेंगे। अमेरिका और यूरोपीय राष्ट्र उसकी क्षति-पूर्ति के लिए करोड़ों-अरबों डॉलर दे रहे हैं। रूसी जनता को भी समझ में नहीं आ रहा है कि इस हमले को पूतिन इतना लंबा क्यों खींच रहे हैं? जब झेलेंस्की ने नाटो से अपने मोहभंग की घोषणा कर दी है और यह भी कह दिया है कि यूक्रेन नाटो में शामिल नहीं होगा तो फिर अब बचा क्या है? पूतिन अब भी क्यों अड़े हुए हैं? शायद वे चाहते हैं कि नाटो के महासचिव खुद यह घोषणा करें कि यूक्रेन को वे नाटो में शामिल नहीं करेंगे। इस झगड़े की जड़ नाटो ही है। नाटो के सदस्य यूक्रेन की मदद कर रहे हैं, यह तो अच्छी बात है लेकिन वे अपनी नाक नीची नहीं होना देना चाहते हैं। उन्हें डर है कि यदि नाटो ने अपने कूटनीतिक हथियार डाल दिए तो उसका असर उन राष्ट्रों पर काफी गहरा पड़ेगा, जो पूर्वी यूरोप और सोवियत संघ के हिस्सा थे। लेकिन अमेरिका और नाटो अब भी संकोच करेंगे तो यह हमला और इसका प्रतिशोध लंबा खिंच जाएगा, जिसका बुरा असर सारी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। यूरोपीय राष्ट्रों को अभी तक रूसी गैस और तेल मिलता जा रहा है। उसके बंद होते ही उनकी अर्थव्यवस्था लंगड़ाने लगेगी। एशियाई और अफ्रीकी राष्ट्र भी उससे प्रभावित हुए बिना नहीं रहेंगे। जहां तक रूस का सवाल है, उसकी भी दाल पतली हो जाएगी। पूतिन के खिलाफ रूस के शहरों में प्रदर्शन होने शुरु हो गए हैं। प्रचारतंत्र पर तरह-तरह के प्रतिबंध लग गए हैं। पूतिन ने यूक्रेन में युद्धरत आठ कमांडरों को बर्खास्त कर दिया है। पूतिन को यह समझ में आ गया है कि यूक्रेन पर रूसी कब्जा बहुत मंहगा पड़ेगा। कीव में थोपी गई कठपुतली सरकार ज्यादा कुछ नहीं कर पाएगी। खुद पूतिन की लोकप्रियता को रूस में धक्का लगेगा। यूक्रेन में होनेवाली फजीहत का असर मध्य एशिया के गणतंत्रों के साथ रूस के संबंधों पर भी पड़ेगा। यूक्रेनी संकट के समारोप का यह बिल्कुल सही समय है। रूसी और अमेरिकी खेमों, दोनों को अब यह सबक सीखना होगा कि एक फर्जी मुद्दे को लेकर इतना खतरनाक खेल खेलना उचित नहीं है।(लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक / ईएमएस)

दैनिक पंचांग

13 मार्च 2022 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कुंभ में	मीन	06.20 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मेष	07.50 बजे से
मंगल	मकर में	वृष	09.31 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.29 बजे से
गुरु	कुंभ में	कर्क	13.42 बजे से
शुक्र	मकर में	सिंह	15.58 बजे से
शनि	मकर में	कन्या	18.10 बजे से
राहु	वृष में	तुला	20.21 बजे से
केतु	वृश्चिक में	वृश्चिक	22.35 ब.से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		धनु	00.51 बजे से
		मकर	02.57 बजे से
		कुंभ	04.43 बजे से

रविवार 2022 वर्ष का 72 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2078 **शक संवत्** 1943
मास फाल्गुन **पक्ष** शुक्ल
तिथि दशमी 10.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 20.06 बजे को समाप्त।
योग शोभन 04.17 बजे रात्र को समाप्त। **करण** गर 10.22 बजे तदनन्तर वणिज 23.19 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.3 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 03° 01'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871186
जूलियन दिन 2459651.5
कलियुग संवत् 5123
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2548
हिजरी सन् 1443
महीना सावान
तारीख 09
विशेष रोहिणी व्रत, मासिक दुर्गाष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
उद्वेग	05.56 से 07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09	बजे तक
चर	07.23 से 08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18	बजे तक	चर	08.41 से 10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46	बजे तक	रोग	10.14 से 11.46	बजे तक
काल	11.46 से 01.14	बजे तक	काल	11.46 से 01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51	बजे तक
रोग	02.41 से 04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बोरवेल में कब तक दम तोड़ती रहेंगी मासूम जानें?

देश के विभिन्न हिस्सों में लगातार होते बोरवेल हादसे चिंता का सबब बन रहे हैं। पिछले दिनों महज एक सप्ताह के दौरान तीन बोरवेल हादसों का होना और तीन में से दो हादसों में बच्चों की मौत हो जाना ऐसे हादसों को लेकर आंखें खोलने के लिए पर्याप्त है। 27 फरवरी को मध्य प्रदेश के दमोह जिले के पटेरा गांव में हुई हृदयविदारक घटना में प्रिंस नामक 4 वर्षीय बच्चा खेलते हुए करीब 300 फुट गहरे खुले बोरवेल में गिरकर 15-20 फीट गहराई में फंस गया। हालांकि जिला प्रशासन और पुलिस की टीम द्वारा उसे बचाने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया लेकिन 6 घंटे के बचाव अभियान के बाद उसे बोरवेल से मृत ही बाहर निकाला जा सका। 15 दिन बाद ही बच्चे का जन्मदिन भी था। बोरवेल का निर्माण बच्चे के पिता द्वारा ही कराया गया था, जिसे ढ़के नहीं जाने के कारण यह दर्दनाक हादसा हुआ। इस घटना से पहले 24 फरवरी को राजस्थान के सीकर के बिजारणिया की ढ़ाणी में खेलते-खेलते अपने ही खेत में खुले पड़े 50 फुट गहरे बोरवेल में 4 वर्षीय रविन्द्र गिर गया था। एसडीआरएफ सहित अन्य बचाव दलों द्वारा चलाए गए 25 घंटे के रेस्क्यू अभियान के बाद आखिरकार मासूम बच्चे को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। 23 फरवरी को मध्य प्रदेश के उमरिया जिले के बरछड़ में अपने ही परिवार के खेत में खुले बोरवेल में 4 वर्षीय गौरव संतोष दुबे खेलते हुए गिर गया। हालांकि उसे रेस्क्यू कर बचाव टीमों द्वारा अगले दिन सुबह बोरवेल से निकाल लिया गया लेकिन कटनी जिले के बरही सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाए जाने पर डॉक्टरों द्वारा उसे मृत घोषित कर दिया गया।

थोड़े-थोड़े अंतराल पर लगातार सामने आते ऐसे दर्दनाक हादसे गहरी चिंता का सबब बन रहे हैं लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि न तो ऐसे हादसों पर लगाम कसने के लिए कड़े कदम उठाने की कहीं कोई पहल होती दिखती है और न ही बोरवेल हादसों को लेकर समाज को जागरूक करने के प्रयास हो रहे हैं। लगातार होते ऐसे हादसों से लोग स्वयं भी सबक सीखने को तैयार नहीं दिखते। हर बार ऐसी हृदयविदारक घटनाओं से सबक सीखने की बातें तो दोहराई जाती हैं लेकिन थोड़े-थोड़े अंतराल बाद जब ऐसी ही घटनाएं सामने आती हैं तो पता चलता है कि न तो आमजन ने और न ही प्रशासन ने ऐसी दिल दहलाने वाली घटनाओं से कोई सबक सीखा। ऐसे हादसों में प्राय: देखा जाता रहा है कि लोगों द्वारा फसलों की सिंचाई के लिए अपने खेत में बोरिंग कराने के बाद उसके सफल नहीं होने पर बोरवेल के गड्ढे को बंद कराने के बजाय खुला छोड़ दिया जाता है, जो अक्सर ऐसे दर्दनाक हादसों का कारण बनते हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर लगातार सामने आते बोरवेल हादसों के बावजूद खुले बोरवेलों में कब तब मासूम जानें इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी?

अक्सर देखा जाता है कि बहुत सी जगहों पर किसानों द्वारा पानी उपलब्ध नहीं होने पर खराब टयूबवैल उखाड़कर दूसरे स्थान पर स्थानांतरित कर दिया जाता है लेकिन टयूबवैल उखाड़ने के बाद भी बोरवेल को कंक्रीट से भरकर समतल करने के बजाय किसी बोरी या कट्टे से ढ़ककर खुला छोड़ दिया जाता है, जो बहुत बार मासूम बच्चों का काल बन जाते हैं। कोई बड़ा हादसा होने पर प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला छोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें दोहरायी जाती हैं लेकिन निरन्तर सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि सख्ती की ये सब बातें महज बयानों तक ही सीमित रहती हैं। सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। 21 जुलाई 2006 को हरियाणा के हल्दाहेड़ी गांव में पांच वर्षीय प्रिंस के 50 फुट गहरे बोरवेल में गिरने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन के दृश्य टीवी चैनलों पर लाइव दिखाये जाने के चलते पहली बार पूरी दुनिया का ध्यान ऐसे हादसों की ओर गया था और तब उम्मीद जताई गई थी कि भविष्य में फिर कभी ऐसे हादसे सामने नहीं आएंगे किन्तु विड़म्बना है कि देश में प्रतिवर्ष औसतन करीब 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.70 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेलों की संख्या, अनुपयोगी बोरवेलों की संख्या तथा उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर का कोई डाटाबेस मौजूद नहीं है।

ऐसे हादसे न केवल निर्बोध मासूमों की बलि लेते हैं बल्कि रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। आए दिन होते ऐसे भयावह हादसों के बावजूद न तो आम आदमी जागरूक हो पाया है, न ही प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की फुर्सत है। कहीं बोरिंग के लिए खोदे गए गड्ढ़ों या सूख चुके कुओं को बोरी, पॉलीथीन या लकड़ी के फट्टों से ढ़ांप दिया जाता है तो कहीं इन्हें पूरी तरह से खुला छोड़ दिया जाता है और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है, जो किसी हंसते-खेलते परिवार को जिंदगीभर का असहनीय दर्द दे जाती है। न केवल सरकार बल्कि समाज को भी ऐसी लापरवाहियों को लेकर चेतना होगा ताकि भविष्य में फिर ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो। देश में ऐसी स्वचालित तकनीकों की भी व्यवस्था करनी होगी, जो ऐसी विकट परिस्थितियों में तुरंत राहत प्रदान करने में सक्षम हों। दरअसल ऐसे मामलों में सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक दिखाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। (लेखक- योगेश कुमार गोयल / ईएमएस)

लैंगिक समानता बनाम सामाजिक संतुलन

महिला' शब्द नारी को गरिमामयी बनाता है। महिला शब्द नारी के आदर भाव को प्रकट करता है। 'स्त्री' शब्द नारी के सामान्य पक्ष को प्रदर्शित करता है। नर का स्त्रीलिंग ही नारी कहलाता है। नारी शब्द का प्रयोग मुख्यतः वयस्क स्त्रियों के लिए किया जाता है। नारी शब्द का प्रयोग संपूर्ण स्त्री वर्ग को दर्शाने के लिए भी किया जाता है। औरत एक अरबी शब्द है,। औरत शब्द 'औराह' धातु से बनी है। जिसका अर्थ शरीर को ढंकना होता है। अरबी मजहब में औरत की यही परिभाषा है। स्त्री, प्रकृति सूचक है। यह स्वभाव वाचक शब्द है। नारी, देवत्व सूचक है। यह गुणवाचक शब्द है। महिला, सामाजिक प्रस्थिति सूचक है। यह अधिकार वाचक शब्द है। औरत, मजहबी सूचक है। यह उपभोग बोधक शब्द है। मादा (फीमेल), जैविक सूचक है। यह प्रजनन बोधक शब्द है। वूमेन,पराधीनता सूचक है अर्थात (किसी व्यक्ति की पत्नी) वाइफ ऑफ़ मैन। यह पराधीन बोधक शब्द है। अत: महिलाओं के लिए शब्द चयन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। कहने का तात्पर्य यह है कि भारतीय स्त्रियां भी अपने लिए सही शब्द का चयन करें/करवाएं। क्योंकि स्त्रियों की सोच और उनकी अभिव्यक्ति ही उनके व्यक्तित्व का दर्पण होती है। किसी भी राष्ट्र के विकास का स्थाई भविष्य उसके लैंगिक समानता से तय होता है। लैंगिक समानता राष्ट्र के विकास को गति प्रदान करता है। कहावत है कि हर एक सिक्के के दो पहलु होते हैं। इनमे से किसी एक पहलु को हटा दें तो सिक्के का कोई अस्तित्व नहीं रह जाता। कहने का तात्पर्य - नर और नारी एक ही सिक्के के दो पहलु हैं। नर और नारी के अस्तित्व से समाज है। इनमे से किसी एक के साथ दुर्व्यवहार होगा तो समाज में असंतुलन की स्थिति पैदा होगी। जिससे समाज का अस्तित्व खतरे में आ जाएगा। राष्ट्र के विकास के लिए समाज में लैंगिक समानता का होना बहुत जरूरी है। महिला और पुरुष समाज के मूलाधार हैं। अतएव लैंगिक समानता रूपी नींव पर राष्ट्र के विकास रूपी इमारत का निर्माण किया जा सकता है। अभी भी भारत में लिंग आधारित भेदभाव कार्य कर रहा है। जन्म से लेकर मौत तक, शिक्षा से लेकर रोजगार तक, हर जगह पर लैंगिक भेदभाव साफ साफ नजर आ जाता है। इस भेदभाव को कायम रखने में सामाजिक और राजनीतिक पहलू बहुत बड़ी भूमिका निभाते है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 2022 की थीम/प्रसंग - 'जेंडर इक्वालिटी टुडे फॉर ए सस्टेनेबल टुमारो' (एक स्थायी कल के लिए आज लैंगिक समानता) है। सेंटर फॉर जेंडर इक्वलिटी एंड इनक्लूसिव लीडरशिप की चेयरपर्सन अलका रजा का लक्ष्य है - महिला सशक्तिकरण, शांति और सुरक्षा के लिए मौजूदा चुनौतियों और बाधाओं को कवर करना। संयुक्त राष्ट्र सचिवालय न्यूयॉर्क में अब तक की सबसे कम उम्र की पेशेवर महिला के रूप में नियुक्त होने का गौरव लिसेलोटे वाल्डहाइम नेचुरल को मिला है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान महिलाओं व पुरुषों के लिंगानुपात को ठीक करने के साथ महिलाओं पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई बड़ी पहल की थी। वर्ल्ड इकनोमिक फोरम द्वारा वर्ष 2021 के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स की बात करें तो भारत 156 देशों की सूची में 140 नंबर पर आता हैं। इस रैंक से साबित होता है कि आज भी हमारे देश में लैगिंक भेदभाव की जड़ें गहरी हैं। महिलाओं के खिलाफ हिंसा एक ऐसा शब्द है, जिसका इस्तेमाल समाज में महिलाओं के खिलाफ होने वाले और मुख्य रूप से हिंसात्मक कार्यों के सभी रूपों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है। महिलाओं के खिलाफ हिंसा आमतौर पर लिंग आधारित होती है। लैंगिक समानता लाकर लिंग आधारित असमानताओं को समाज से दूर किया जा सकता है। लैंगिक समानता का उद्देश्य पुरुषों और महिलाओं के बीच सभी सीमाओं और मतभेदों को दूर करना है। यह पुरुष और महिला के बीच किसी भी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करता है। लिंग समानता पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान अधिकार और अवसर सुनिश्चित करती है, चाहे वह घर पर हो या शैक्षणिक संस्थानों में या कार्यस्थलों पर। लैंगिक समानता राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक समानता की गारंटी देती है। भारत में लैंगिक समानता के आधार पर महिलाओं को मिले 11 अधिकार इस प्रकार हैं- 1- समान मेहनताना का अधिकारः इक्वल रिम्यूनरेशन एक्ट में दर्ज प्रावधानों के मुताबिक सैलरी के मामलों में लिंग के आधार पर भेदभाव नहीं कर सकते हैं। किसी कामकाजी महिला को पुरुष के बराबर सैलरी लेने का अधिकार है। 2- गरिमा और शालीनता का अधिकारः महिला को गरिमा और शालीनता से जीने का अधिकार मिला है। किसी मामले में अगर महिला आरोपी है, उसके साथ कोई मेडिकल परीक्षण हो रहा है तो यह काम किसी दूसरी महिला की मौजूदगी में ही होना चाहिए। 3- कार्यस्थल पर उत्पीड़न से सुरक्षाः भारतीय कानून के मुताबिक अगर किसी महिला के खिलाफ दफ्तर में शारीरिक उत्पीड़न या यौन उत्पीड़न होता है, तो उसे शिकायत दर्ज करने का अधिकार है। इस कानून के तहत, महिला 3 महीने की अवधि के भीतर ब्रांच ऑफिस में इंटरनल कंप्लेंट कमेटी (आई सी सी) को लिखित शिकायत दे सकती है। 4 -घरेलू हिंसा के खिलाफ अधिकारः भारतीय संविधान की धारा 498 के अंतर्गत पत्नी, महिला लिव-इन पार्टनर या किसी घर में रहने वाली महिला को घरेलू हिंसा के खिलाफ आवाज उठाने का अधिकार मिला है। पति, मेल लिव इन पार्टनर या रिश्तेदार अपने परिवार के महिलाओं के खिलाफ जुबानी, आर्थिक, जज्बाती या यौन हिंसा नहीं कर सकते। आरोपी को 3 साल गैर-जमानती कारावास की सजा हो सकती है या जुर्माना भरना पड़ सकता है। 5 - पहचान जाहिर नहीं करने का अधिकारः किसी महिला की निजता की सुरक्षा का अधिकार हमारे कानून में दर्ज है। अगर कोई महिला यौन उत्पीड़न का शिकार हुई है तो वह अकेले डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज करा सकती है। किसी महिला पुलिस अधिकारी की मौजूदगी में बयान दे सकती है। 6- मुफ्त कानूनी मदद का अधिकारः लीगल सर्विसेज अथॉरिटीज एक्ट के मुताबिक बलात्कार की शिकार महिला को मुफ्त कानूनी सलाह पाने का अधिकार है. लीगल सर्विस अथॉरिटी की तरफ से किसी महिला का इंतजाम किया जाता है। 7- रात में महिला को नहीं कर सकते गिरफ्तारः किसी महिला आरोपी को सूर्यास्त के बाद या सूर्योदय से पहले गिरफ्तार नहीं कर सकते। अपवाद में फर्स्ट क्लास मजिस्ट्रेट के आदेश को रखा गया है। कानून यह भी कहता है कि किसी से अगर उसके घर में पूछताछ कर रहे हैं तो यह काम महिला कांस्टेबल या परिवार के सदस्यों की मौजूदगी में होना चाहिए। 8- वर्चुअल शिकायत दर्ज करने का अधिकारः कोई भी महिला वर्चुअल तरीके से अपनी शिकायत दर्ज कर सकती है. इसमें वह ईमेल का सहारा ले सकती है। महिला चाहे तो रजिस्टर्ड पोस्टल एड्रेस के साथ पुलिस थाने में चिट्ठी के जरिये अपनी शिकायत भेज सकती है। इसके बाद एसएचओ महिला के घर पर किसी कांस्टेबल को भेजेगा जो बयान दर्ज करेगा। 9-अशोभनीय भाषा का नहीं कर सकते इस्तेमालः किसी महिला (उसके रूप या शरीर के किसी अंग) को किसी भी तरह से अशोभनीय, अपमानजनक, या सार्वजनिक नैतिकता या नैतिकता को भ्रष्ट करने वाले रूप में प्रदर्शित नहीं कर सकते. ऐसा करना एक दंडनीय अपराध है। 10- महिला का पीछा नहीं कर सकतेः आईपीसी की धारा 354 डी के तहत वैसे किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी जो किसी महिला का पीछे करे, बार-बार मना करने के बावजूद संपर्क करने की कोशिश करे या किसी भी इलेक्ट्रॉनिक कम्युनिकेशन जैसे इंटरनेट, ईमेल के जरिये मॉनिटर करने की कोशिश करे। 11- जीरो एफआईआर का अधिकारः किसी महिला के खिलाफ अगर अपराध होता है तो वह किसी भी थाने में या कहीं से भी एफआईआर दर्ज करा सकती है. इसके लिए जरूरी नहीं कि कंप्लेंट उसी थाने में दर्ज हो जहां घटना हुई है. जीरो एफआईआर को बाद में उस थाने में भेज दिया जाएगा जहां अपराध हुआ हो।

महिलाओं के साथ भेदभाव को समाप्त करने में अध्यात्म गहरी भूमिका निभाता है। हमारी संस्कृति में स्त्री का दर्जा पुरुष से कम नहीं माना गया है। मुगल आक्रमण से पहले स्त्रियों को पुरुषों के समान दर्जा दिया जाता था। हिन्दू धर्मशास्त्र के अनुसार ज्ञान की देवी सरस्वती, धन की देवी लक्ष्मी और शक्ति की देवी दुर्गा पूजा जाता है। हमारे जीवन को अधिशासित करने वाले सत, रज और तम, इन तीन गुणों में सामंजस्य बनाए रखने के लिए हम देवी मां की ही प्रार्थना करते हैं। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः। यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः ॥ मनुस्मृति 3/56 ॥ जहाँ स्त्रियों की पूजा होती है वहाँ देवता निवास करते हैं और जहाँ स्त्रियों की पूजा नही होती है, उनका सम्मान नही होता है वहाँ किये गये समस्त अच्छे कर्म निष्फल हो जाते हैं। नारी जननी है। नारी नर का अभिमान है। नारी राष्ट्र के विकास की नींव है। नारी सृष्टि का अनमोल उपहार है । नारी से सृष्टि और सृष्टि से नारी है। नारी सशक्त बनेगी तो देश सशक्त बनेगा। नैतिक मूल्यों को अपनाने से ही नारी सशक्त बनेगी। वैदिक साहित्य में आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के कारण नारी पूजनीय एवं वंदनीय थी। परंतु वर्तमान समय में नारियों का पाश्चात्य संस्कृति के कारण व्यसन, नशा विकृतियों में लिप्त होना आदि अवगुण नारी को अबला बनाता है। नारी जीवन में सदगुणों को अपनाकर फिर से देवत्व को प्राप्त हो सकती है। संस्कृति, संस्कार से बनती है। सभ्यता, नागरिकता से बनती है। नागरिकता मानव की पहचान है। नर और नारी दोनों मानव हैं। मानव ही किसी भी देश के नागरिक कहलाते हैं। नागरिक शब्द से नागरिकता का निर्माण हुआ। लैंगिक समानता किसी भी राष्ट्र के सतत भविष्य का द्योतक होता है। लैंगिक असमानता समाज के संतुलन व्यवस्था और विकास को प्रभावित करती है। समतामूलक समाज राष्ट्र को संतुलित करता है। किसी भी राष्ट्र की सभ्यता की पहचान उसके संतुलित समाज से ही होती है। अतएव हम कह सकते हैं कि लैंगिक समानता, समतामूलक समाज को स्थापित करता है। (लेखक-डॉ. शंकर सुवन सिंह / ईएमएस)

आज का इतिहास 13 मार्च

1991 राष्ट्रपति आर.वेंकटरमन द्वारा नौंवी लोकसभा भंग.

1997 मदर टेरेसा के स्थान पर सिस्टर निर्मला मिशनरीज ऑफ चैरिटीज की नयी सुपीरियर जनरल निर्वाचित.

1999 गुमशुदा कार्टूनिस्ट इरफान का शव झाड़ियों में मिला.

2001 तहलका डाट कॉम के खुलासे के बाद बंगारु लक्ष्मण ने त्यागपत्र दिया.

2002 अयोध्या में विवादित भूमि पर सांकेतिक पूजा करने की अनुमति देने की केंद्र सरकार के आग्रह को उच्चत्तम न्यायालय ने ठुकराया.

2003 उच्चतम न्यायालय ने सरकार के विवादास्पद संशोधित चुनाव कानून को असंवैधानिक करार दिया.

2005 उत्तरांचल में मसूरी से चंबा जा रही एक बस खाई में गिरने से 25 मरे.

शब्द पहेली - 7224

■	1		2	■	3		4	■
5		■		■		■	6	7
	■	■	8	9		10	■	
11		12	■		■	13		
■	■	14		■	15		■	■
16			■	17	■	18		19
	■	20	21		22	■	■	
23	24	■		■		■	25	
■	26			■	27			■

बाएँ से दाएँ

1. नियंत्रण, घोड़े की रास-3
3. ध्वज, झंडा-3
5. माहिर, होशियार-2
6. बेल, लतिका-2
8. अस्वीकृत करना-4
11. अदृश्य-3
13. फटकार, धिक्कार-3
14. अधर, होठ-2
15. सलाह, सुझाव-2
16. आश्रय-3
18. अनुमान, अंदाज-3
20. आलता, माहुर-4
23. नासिका-2
25. रहस्य-2
26. रेखा, लाइन्-3
27. परिमूल्य-3

ऊपर से नीचे

1. लाख, सौ हजार-2
2. बारीक, सूक्ष्म-3
3. तीन घंटे का समय-3
4. समय, वक्त-2
5. कोतवाल-3
7. बल, जोर, दम-3
9. श्रवणेंद्रिय-2
10. जो लायक न हो-4
12. कृष्ण के बड़े भाई-4
16. दर्पण, शीशा-3
17. नौका -2
19. आसान, सरल-3
21. उपस्थित-3
22. रस से भरा-3
24. बीता हुआ दिन-2
25. रजनी, निशा-2

शब्द पहेली -7223 का हल

■	आ	र	ति	■	अ	ना	मि	का
आ	ना	■	ल	जी	ज	■	■	र
ले	■	श	मि	■	र	न	■	तू
ख	ल	ब	ला	ना	■	र	ई	स
■	ग	■	ना	■	म	■	मा	■
ख	न	न		म	नो	न	न	य
लि	■	ल	क	■	रं	ग	■	ती
हा	■	■	हा	फि	ज	■	का	म
न	स	वा	र	■	न	ज	ला	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

सैफ अंडर 18 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल संघ ने 15 से 25 मार्च तक जमशेदपुर में होने वाले सैफ अंडर 18 महिला फुटबॉल टूर्नामेंट के लिये 22 सदस्यीय टीम घोषित कर दी गयी है। टीम के मुख्य कोच थॉमस डेनेरबी ने कहा कि चयनित खिलाड़ी भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाएंगी। डेनेरबी ने कहा ,'' सबसे अहम बात यह है कि इतनी कम उम्र में इन्हें फुटबॉल की अच्छी खासी जानकारी है। अब इन्हें आगे जाने के लिए नियमित आधार पर अभ्यास की जरूरत है।'' साथ ही कहा कि बहुत से खिलाड़ी शुरुआत में काफी प्रतिभाशाली होते हैं पर बाद के वे अधिक सफल नहीं होते हैं जबकि औसत प्रतिभा वाले बहुत आगे बढ जाते हैं। इसलिये निरंतर अभ्यास सबसे जरुरी है। उन्होंने कहा कि सैफ जैसे टूर्नामेंट से खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धी माहौल में दबाव का सामना करना सीखने में सहायता मिलती है। भारत को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला 15 मार्च को नेपाल से खेलना है। इसके बाद 19 मार्च को भारतीय टीम बांग्लादेश से खेलेगी। 21 मार्च को फिर से नेपाल से उसका सामना होगा। वहीं 25 मार्च को बांग्लादेश से खेलेगी। टीम :

गोलकीपर : हेमप्रिया सेरम, मेलोडी चानू केशाम, एडरिजा सारखेल

डिफेंडर : एस्टम ओरोन, निशा, रितु देवी, पूर्णिमा कुमारी, नकीता, काजल, वर्षिका

मिडफील्डर : शिल्की देवी , पूनम, शुभांगी सिंह, प्रियंका सुजीश, मार्तिना थोकचोम, बबीना देवी, नीतू लिंडा ।

फॉरवर्ड : नैता कुमारी, रजिया देवी, अमीषा बाक्सला, सुनीता मुंडा, लिंडा कोम सेरतो ।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी को मंधाना ने सर्वश्रेष्ठ करार दिया

हैमिल्टन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने आईसीसी विश्वकप में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपनी 123 रनों की शतकीय पारी को अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी करार दिया है। मंधाना को उनकी इस पारी के लिए मैन ऑफ द मैच का अवार्ड भी दिया गया। उनकी इस पारी का टीम की जीत में अहम योगदान रहा है। मंधाना ने कहा कि युवा यास्तिका भाटिया ने जिस तरह से शुरुआत की उससे मुझे काफी आत्मविश्वास मिला। जब टीम ने तीन विकेट गंवाए तो मुझे अपनी पारी को धीमा करना पड़ा पर हरमनप्रीत आक्रमक बल्लेबाजी करती रही। वह जिस प्रकार से खेली है , उससे मुझे खुशी हुई है। हमें पिछले मैच में अच्छी शुरुआत नहीं मिली थी। हमने इसके बारे में बात की थी। यास्तिका ने इस मैच में शुरू से ही अपने आक्रामक रुख से विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बना दिया था जिसका लाभ टीम को हुआ।

मंधाना ने कहा कि मैं कहूंगा कि यह मेरी शीर्ष तीन पारियों में से एक है। पिछले मैच के बाद हम वास्तव में और बेहतर बनकर उभरे हैं। मैच के हालातों को देखते हुए मैं अपने इस शतक को सबसे ज्यादा रेटिंग दूंगी। मंधाना ने 119 गेंदों पर 123 रन की पारी खेली। इस क्रिकेटर ने अब तक एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पांच शतक लगाये हैं।

शारजाह में त्रिकोणीय टी20 क्रिकेट सीरीज खेलेंगी भारतीय नेत्रहीन टीम

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की नेत्रहीन क्रिकेट टीम शारजाह में रविवार से पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ एक त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेलेगी यह मैच 19 मार्च तक होंगे। भारतीय नेत्रहीन क्रिकेट संघ (सीएबीआई) के अनुसार इन मुकाबलों का आयोजन शारजाह के स्काइलाइन यूनिवर्सिटी कैंपस में किया जा रहा है। सीएबीआई अध्यक्ष डॉ. महंतेश जीके ने कहा, ''फाइनल सहित सात मुकाबलों का आयोजन होगा और इसके लिए भारतीय टीम में 17 नेत्रहीन क्रिकेटरों को शामिल किया गया है।'' उन्होंने कहा, ''सीएबीआई प्रतिभावान नेत्रहीन क्रिकेटरों को निखारने के लिए काम कर रहा है जिससे खिलाड़ियों के बीच प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और वह अपनी पूर्ण क्षमता हासिल कर पाएंगे।''

रोहित सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों के क्लब में शामिल

बेंगलोर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने यहां श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। रोहित 400 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले भारत के नौवें खिलाड़ी बने हैं। भारत की तरफ से अब तक सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकार्ड महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम है। सचिन ने सबसे ज्यादा 664 मैच खेले हैं। वहीं दूसरे नंबर पर भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी हैं। धोनी के नाम 538 मैच हैं जबकि तीसरे नंबर पर पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ हैं। द्रविड़ ने 509 मैच खेले हैं। 458 मैचों के साथ ही विराट कोहली चौथे , 433 मैचों के साथ मो अजहरुद्दीन पांचवें , 424 मैचों के साथ सौरव गांगुली छठे स्थान पर हैं। 403 विकेट लेकर अनिल कुंबले सातवें जबकि 402 मैच के याथ युवराज सिंह आठवें नंबर पर हैं। अब रोहित 400 विकेट के साथ ही नौवें नंबर पर आये हैं।

झूलन ने फुलस्टन का रिकार्ड तोड़ा

हैमिल्टन (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय क्रिकेट मैच में एक विकेट लेने के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। इस विकेट के साथ ही झूलन एकदिवसीय विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गईं। झूलन ने 40 वां विकेट लेने के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज गेंदबाज लिन फुलस्टन के 39 विकेट का रिकार्ड तोड़ा। यह रिकार्ड 34 साल पुराना था।

झूलन ने वेस्ट इंडीज की अनीसा मोहम्मद का विकेट लेने के साथ ही महिला विश्व कप में सर्वाधिक विकेट लेने का रिकॉर्ड बनाया। महिला विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाली पांच गेंदबाजों में इंग्लैंड की कैरोल होजेस 37 विकेट, क्लेयर टेलर 36 विकेट और ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्ज़पैट्रिक के 33 विकेट भी शामिल हैं।

मंधाना विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

हैम्लिटन (ईएमएस)। आईसीसी महिला विश्वकप क्रिकेट के अपने तीसरे मैच में भारतीय टीम की अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 123 रनों की शानदार पारी खेली। यह मंधाना का एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में पांचवों जबकि आईसीसी विश्व कप में अब तक का दूसरा शतक है। मंधाना ने 108 गेंदों में 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से यह शतक लगाया। महिला विश्व कप में मंधाना ने इससे पहले साल 2017 के विश्व कप में शतक लगाया था।

मंधाना महिला विश्व कप में इस बार सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। उन्होंने अब तक तीन मैचों में एक शतक और अर्धशतक से 281 रन बनाए हैं। उनके बाद दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया की रचेल हायनेस हैं , रचेल ने अबतक 161 रन बनाये हैं। रचेल दो मैच खेले हैं जबकि मंधाना ने तीन पारियां खेली हैं।

महिला विश्व कप के सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली खिलाड़ी बनीं मिताली

हैम्लिटन (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज ने शनिवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ आईसीसी विश्व कप के तीसरे मैच के लिए मैदान में उतरते ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। मिताली अब महिला विश्व कप के सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी करने वाली विश्व की नंबर एक खिलाड़ी बन गयी हैं।

मिताली ने सबसे ज्यादा मैचों में कप्तानी के मामले में ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान बेलिंडा क्लार्क का रिकॉर्ड तोड़ा है।

बेलिंडा ने 23 मैचों में कप्तानी की थी , वहीं मिताली विश्व कप में 24वीं बार कप्तान के तौर पर उतरीं हैं। उनकी कप्तानी में खेले गये 23 मैचों में से भारतीय टीम ने 14 मैच जीते है और आठ हारे हैं। इसके अलावा एक मैच का परिणाम नहीं निकला।

इस बार विश्व कप के शुरुआती मैच में भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराया था जबकि न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे मैच में टीम को हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाज के तौर पर मिताली अब तक विशेष प्रदर्शन नहीं कर पायी हैं। पाक के खिलाफ वह नौ रन, न्यूजीलैंड के खिलाफ 31 रन व इस तीसरे मैच में वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल पांच रन ही बना पायी हैं हालांकि अपने दो दशक के करियर में इस खिलाड़ी ने सबसे ज्यादा रन बनाने के साथ ही कई रिकार्ड अपने नाम किये हैं।

डु प्लेसिस बने आरसीबी के नये कप्तान

मुम्बई (ईएमएस)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने आईपीएल के 15 वें सत्र के लिए विराट कोहली की जगह पर दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डु प्लेसिस को अपना नया कप्तान बनाया है। विराट ने आईपीएल के पिछले सत्र में ही घोषणा कर दी थी कि अब वह आगे कप्तानी नहीं करेंगे। आरसीबी अभी तक एक भी बार आईपीएल खिताब नहीं जीत पायी है। अब देखना कि डु प्लेसिस टीम को इस बार खिताब दिला पाते हैं या नहीं। टीम ने कप्तान की घोषणा करने के साथ ही नई जर्सी भी लांच की है।

आरसीबी ने मेगा नीलामी में डु प्लेसिस को 7 करोड़ रुपये में खरीदा था। बेंगलुरु में एक कार्यक्रम के दौरान नये कप्तान के तौर पर डु प्लेसिस के नाम की घोषणा की गयी।

महिला विश्वकप : भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज को 155 रनों से हराया

मैन ऑफ द मैच : मंधाना

हैमिल्टन (ईएमएस)। स्मृति मंधाना और हरमनप्रीत कौर के शानदार शतकों के बाद गेंदबाजों के अच्छे प्रदर्शन की सहायता से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने आईसीसी महिला विश्वकप के अपने तीसरे मुकाबले में वेस्टइंडीज को 155 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने मंधाना के 123 और हरमनप्रीत के 109 रनों की सहायता से आठ विकेट पर 317 रनों का बड़ा स्कोर बनाया था। इस प्रकार वेस्टइंडीज टीम को जीत के लिए 318 रनों का लक्ष्य मिला था जिसका पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 40 ओवर ओर तीन गेंदों में ही 162 रनों पर सिमट गयी। डिएंड्रा डॉटिन ने सबसे ज्यादा 62 रन बनाये और हेले मैथ्यू ने 43 रनों का योगदान दिया। बाकि बल्लेबाजी भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायीं और एक के बाद एक पेवेलियन लौट गयीं। भारत की ओर से स्नेह राणा ने 3 जबकि मेघना सिंह ने 2 विकेट लिए। झूलन गोस्वामी , राजेश्वरी गायकवाड़ और पूजा वस्त्राकर ने एक-एक विकेट लिया। भारतीय टीम की यह विश्वकप के तीन मैचों में दूसरी जीत है। पहले मैच में भारत ने पाकिस्तान को हराया था पर दूसरे मैच में उसे न्यूजीलैंड के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अब तक आईसीसी विश्व कप में अपने सभी सात मैच जीते हैं।

इस मैच में भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। जिसे मंधाना और हरमनप्रीत ने शतक लगाकर सही साबित कर दिया। मंधाना ने 123 रन जबकि हरमनप्रीत ने 109 रन बनाये जिससे भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में आठ विकेट पर 317 रन बनाये। पहले बल्लेबाजी के लिए आई भारतीय टीम को सलामी जोड़ी मंधाना और यस्तिका भाटिया ने 49 रन की साझेदारी कर अच्छी शुरुआत दिलायी। सेलमेन ने यस्तिका को 31 रन पर आउट कर भारतीय टीम का पहला विकेट लिया। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए उतरीं कप्तान मिताली केवल 5 रन ही बना पायीं पर मिताली ने मैदान में उतरते ही सबसे अधिक विश्वकप मैचों में कप्तानी का रिकार्ड अपने नाम किया। मिताली को हेली मैथ्यूज ने पेवेलियन भेजा।

अनीशा मोहम्मद ने दीप्ति शर्मा को 15 रन पर आउट करके वेस्टइंडीज टीम को तीसरी सफलता दिलाई।इसके बाद स्मृति और हरमनप्रीत के बीच शतकीय साझेदारी हुई। दोनों ने भारतीय टीम के स्कोर 262 तक ले गईं। चौथा विकेट मंधाना का गिरा। 290 के स्कोर पर भारतीय टीम का पांचवां विकेट ऋचा घोष के रूप में गिरा। ऋचा 5 रन बनाकर आउट हुईं। आउट होने वाली छठी बल्लेबाज पूजा वस्त्राकर रहीं। अनीशा ने पूजा को 10 रन पर आउट कर वेस्टइंडीज को छठी सफलता दिलायी। हरमनप्रीत आउट होने वाली सातवीं खिलाड़ी रहीं। हरमनप्रीत ने 107 गेंदों पर 10 चौके और 2 छक्के की सहायता से 109 रन बनाये। डॉटिन ने झूलन गोस्वामी को 2 रन पर आउट करके भारतीय टीम का 8वां विकेट गिराया। इसके साथ ही भारतीय पारी समाप्त हो गयी।

भारतीय पारी का आकर्षण हरमनप्रीत और स्मृति के बीच चौथे विकेट के लिए 184 रनों की साझेदारी रही।

स्मृति ने एकदिवसीय में अपना 5वां और हरमनप्रीत ने चौथा शतक लगाया। हरमनप्रीत का यह विश्व कप में तीसरा शतक है। इसी के साथ ही वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गई हैं।

वहीं दूसरी ओर लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की ओर से डॉटिन और मैथ्यू ने तेजी से शुरुआत की। टीम ने 5 ओवर में ही 50 रन बना लिए थे। दोनों ने पहले विकेट के लिए 74 गेंदों पर 100 रनों की साझेदारी बनाई। डॉटिन का विकेट गिरते ही वेस्टइंडीज की पारी ढ़हने लगी। इसके बाद उनकी कोई बल्लेबाज पिच पर नहीं टिक पाईं। उनकी पूरी टीम 162 रन आउट हो गई। यह टूर्नामेंट में वेस्टइंडीज की पहली हार है। टीम ने इससे पहले दोनों मुकाबले जीते थे। इस मैच में भारतीय टीम की गेंदबाज झूलन एक विकेट लेने के साथ ही विश्व कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली गेंदबाज बन गई हैं। झूलन के 40 विकेट हो गए हैं। इस प्रकार उसने ऑस्ट्रेलिया की लिन फुलस्टन को पीछे छोड़ा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 631.92 अरब डॉलर पहुंचा

मुंबई (ईएमएस)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार चार मार्च को समाप्त सप्ताह में 39.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 631.92 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। इससे पूर्व 25 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.425 अरब डॉलर घटकर 631.527 अरब डॉलर रह गया था। इससे पूर्व तीन सितंबर, 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 642.453 अरब डॉलर के सर्वकालिक स्तर पर जा पहुंचा था। आरबीआई द्वारा जारी ?किए गए साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों (एफसीए) के बढ़ने की वजह से हुई जो कुल मुद्राभंडार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। आंकड़ों के अनुसार 18 फरवरी को समाप्त सप्ताह में एफसीए 63.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 565.466 अरब डॉलर हो गया। डॉलर में अभिव्यक्त विदेशी मुद्रा भंडार में रखे जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्रा के मूल्यवृद्धि अथवा मूल्यह्रास के प्रभावों को शामिल किया जाता है। आलोच्य सप्ताह में स्वर्ण भंडार 14.7 करोड़ डॉलर घटकर 42.32 अरब डॉलर रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास जमा विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 5.9 करोड़ डॉलर घटकर 18.981 अरब डॉलर रह गया। आईएमएफ में रखे देश का मुद्रा भंडार 3.4 करोड़ डॉलर घटकर 5.153 अरब डॉलर रह गया।

उपभोक्ता बिना हॉलमार्क वाले सोने के गहनों की भी करवा सकते हैं शुद्धता जांच

नई दिल्ली (ईएएमएस)। उपभोक्ता अब भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) से बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की भी शुद्धता जांच करवा सकते हैं। एक सरकारी बयान में कहा गया है ?कि सोने के चार आभूषणों के परीक्षण का शुल्क 200 रुपए है। वहीं पांच या अधिक आभूषणों के लिए शुल्क 45 रुपए प्रति इकाई है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने कहा कि अनिवार्य हॉलमार्किंग को सफलतापूर्वक लागू कर दिया गया है, जिसमें हर दिन तीन लाख सोने की वस्तुओं को एचयूआईडी (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान) के साथ प्रमाणित किया जा रहा है। बीआईएस ने अब एक आम उपभोक्ता को बीआईएस से मान्यता-प्राप्त एसेइंग एंड हॉलमार्किंग सेंटर (एएचसी) में से किसी में भी अपने बिना हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की शुद्धता की जांच कराने की अनुमति देने का प्रावधान किया है। एएचसी को प्राथमिकता के आधार पर आम उपभोक्ताओं से सोने के आभूषणों का परीक्षण करना चाहिए और उपभोक्ता को एक परीक्षण रिपोर्ट प्रदान करनी चाहिए। बयान के मुताबिक उपभोक्ता को जारी की गई परीक्षण रिपोर्ट उपभोक्ता को उनके आभूषणों की शुद्धता के बारे में आश्वस्त करेगी और अगर उपभोक्ता अपने पास पड़े आभूषणों को बेचना चाहता है तो भी यह उपयोगी होगा। उपभोक्ता द्वारा खरीदे गए एचयूआईडी नंबर के साथ हॉलमार्क वाले सोने के आभूषणों की प्रामाणिकता और शुद्धता को बीआईएस केयर ऐप वेरीफाई एचयूआईडी का उपयोग करके भी सत्यापित किया जा सकता है, जिसे प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है।

आरबीआई ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए खाते खोलने से रोका

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम पेमेंट्स बैंक में नजर आईं सामग्री निगरानी से जुड़ी चिंताओं के बीच उसे नए खाते खोलने से रोक दिया है। केंद्रीय बैंक ने एक बयान में पेटीएम पेमेंट्स बैंक को नए खाते खोलने से रोकने वाला आदेश जारी किया। उसने कहा ?कि आरबीआई ने अपने अधिकार क्षेत्र के तहत अन्य कानूनों के साथ-साथ बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 35ए के तहत पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड को नए ग्राहकों के बैंक खाते पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया है।

आरबीआई ने भुगतान बैंक से अपने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली की व्यापक समीक्षा करने के लिए एक आईटी ऑडिट कंपनी नियुक्त करने का भी निर्देश दिया। रिज़र्व बैंक ने कहा ?कि पेटीएम पेमेंट्स बैंक का नए ग्राहकों के खाते खोलना आईटी लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आरबीआई द्वारा दी जाने वाली विशिष्ट अनुमति के अधीन होगा। पेटीएम पेमेंट्स बैंक का गठन अगस्त 2016 में हुआ था और इसने मई 2017 में औपचारिक रूप से अपना काम शुरू किया था।

अमेरिका ने रूस से सर्वाधिक तरजीही देश का दर्जा वापस लिया

- रूस से समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड), शराब एवं हीरों के आयात पर भी लगाई रोक

वाशिंगटन (ईएमएस)। यूक्रेन पर रूस के हमले से नाराज अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने रूस को दिए गए सर्वाधिक तरजीही देश (एमएफएन) का दर्जा वापस ले ?लिया है। साथ ही रूस से समुद्री खाद्य उत्पादों (सीफूड), शराब एवं हीरों के आयात पर भी रोक लगा दी। अमेरिकी सरकार ने रूस से एमएफएन का दर्जा वापस लेने का निर्णय यूरोपीय संघ और जी-7 समूह के देशों के साथ मिलकर ?निर्णय लिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय व्हाइट हाउस के रूजवेल्ट रूम से बाइडेन ने अपने बयान में कहा ?कि स्वतंत्र दुनिया पुतिन का मुकाबला करने के लिए एक साथ खड़ी हो रही है। सर्वाधिक तरजीह वाले देश का दर्जा वापस लेने से अमेरिका और उसके सहयोगी देश रूस से किए जाने वाले आयात पर भारी शुल्क लगा सकेंगे। इस निर्णय से अमेरिका और सहयोगी देश रूस की अर्थव्यवस्था को अलग-थलग करना चाहते हैं। इसके अलावा अमेरिका ने रूस के केंद्रीय बैंक की संपत्ति को जब्त, निर्यात को सीमित करने समेत रूस के कुलीन वर्गों और उनके परिवारों के खिलाफ प्रतिबंध लगाने का भी निर्णय किया है। बाइडन प्रशासन पर रूस के खिलाफ सख्त व्यापारिक कदम उठाने के लिए चौतरफा राजनीतिक दबाव बना हुआ था। अमेरिका द्वारा पिछले एक महीने के दौरान लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों से रुस की मुद्रा रूबल डॉलर के मुकाबले 76 प्रतिशत गिर गई है। यूक्रेन पर रूस का सैन्य हमला दो हफ्ते बाद भी जारी रहने से भू-राजनीतिक तनाव की स्थिति बनी हुई है। अमेरिका की अगुआई में तमाम पश्चिमी देश रूस के खिलाफ सख्त कदमों की घोषणा कर रहे हैं।पिछले हफ्ते सबसे पहले कनाडा ने रूस से एमएफएन का दर्जा वापस लिया था।

इस महीने शनिवार को भी खुलेंगे आयकर विभाग के कार्यालय

मुंबई (ईएमएस)। करदाताओं की शिकायतें दूर करने के लिए आयकर विभाग से सक्रिय भूमिका निभाने संबंधी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के सख्त निर्देश के बाद देश भर में आयकर विभाग के कार्यालय इस महीने सभी शनिवार को भी खुले रहेंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। वित्त मंत्री सीतारमण ने इस सप्ताह की शुरुआत में सीबीडीटी और सीबीआईसी को बेंगलुरू में एक कार्यक्रम के दौरान कथित तौर पर करदाताओं की शिकायतों का जवाब नहीं देने के लिए फटकार लगाई थी। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आईटी विभाग के लिए शीर्ष नीति-निर्माण निकाय है, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) सीमा शुल्क, केंद्रीय उत्पाद शुल्क और माल एवं सेवा कर विभाग के लिए एक ही प्राधिकरण है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रधान आयकर आयुक्त के स्तर तक के सभी आयकर कार्यालय इस महीने सभी शनिवारों को खुले रहेंगे। यह व्यवस्था 12 मार्च से ही शुरू हो जाएगी। आम तौर पर शनिवार और रविवार को आयकर विभाग के कर्मचारियों के लिए छुट्टी का दिन है। वित्त वर्ष के खत्म होने से पहले आयकर दाताओं की सभी शिकायतों को दूर करने के लिए ये कदम उठाया गया है। इस फैसले की वजह से मार्च के महीने में तीन अतिरिक्त दिन काम किया जा सकेगा, जिससे ज्यादा से ज्यादा करदाताओं की शिकायत दूर की जा सकेगी।

ईवीएम पर फिर बोले अखिलेश यादव सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति से गुहार

लखनऊ (ईएमएस)। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुकाबले करारी हार का सामना करने वाले समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष ने ईवीएम को लेकर वायरल ऑडियो को लेकर सवाल खड़ा किया है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट और राष्ट्रपति से संज्ञान लेकर सुरक्षा देने की मांग की है। अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, ईवीएम बदले जाने को लेकर एक चुनाव अधिकारी की किसी से बात की जो ऑडियो रिकार्डिंग सोशल मीडिया पर चल रही है, मा. उच्चतम न्यायालय और राष्ट्रपति महोदय उसका संज्ञान लें व सरकार संबंधित व्यक्ति को तुरंत संपूर्ण सुरक्षा दे। किसी एक व्यक्ति का जीवन हमारे लिए सरकार बनाने से ज़्यादा अहम है।'' गौरतलब है कि समाजवादी पार्टी और खुद इसके मुखिया अखिलेश यादव एग्जिट पोल्स के बाद से ही ईवीएम और काउंटिंग में धांधली का आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने बकायदा प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सरकार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे। सपा के कई नेताओं के अलावा पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी आरोप लगाया है कि सपा को गड़बड़ी करके हराया गया। गुरुवार को आए नतीजों में भाजपा गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला तो सपा को हार का सामना करना पड़ा है। भजपा गठबंधन को 273 सीटें हासिल हुईं तो सपा गठबंधन 125 सीटों पर सिमट गया।

मुंबई पुलिस ने देवेंद्र फडणवीस को भेजा नोटिस

मुंबई (ईएमएस)। फोन टैपिंग केस में मुंबई पुलिस ने शनिवार को भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस को नोटिस भेजा। इसमें उनसे कल सुबह 11 बजे बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में पेश होने के लिए कहा गया है। फडणवीस ने कहा, ठमुझे मुंबई पुलिस की तरफ से सीआरपीसी की धारा 160 के तहत एक नोटिस मिला है, जिसमें मुझे कल सुबह 11 बजे बीकेसी साइबर पुलिस स्टेशन में उनके सामने पेश होने के लिए कहा गया है। मैं वहां जाकर अपना बयान दर्ज कराऊंगा। देवेंद्र फडणवीस ने कहा मुझे इस बात का आश्चर्य है कि जो घोटालेबाज है और जिनकी सीबीआई जांच कर रही है अगर उनको सरकार सही समय पर पकड़ती और मामले को 6 महीने दबाकर नहीं रखती तो शायद मुझे खुलासा करने की आवश्यकता नहीं होती।ठ उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार दोषियों को बचाना चाहती है और इसे उजागर करने वाले को पुलिस स्टेशन बुलाया जा रहा है। फडणवीस ने कहा, एलओपी के रूप में, मुझे यह जानकारी कहां से मिली, इसका खुलासा नहीं करने का मेरे पास विशेषाधिकार है। लेकिन मैं एक बार गृह मंत्री था और मैं अपनी जिम्मेदारी समझता हूं। अगर कोई अपराध झूठा दर्ज किया गया था और अगर पुलिस को कुछ मदद चाहिए तो मैं जवाब दूंगा।

सीएम पद की शपथ लेने से पहले मान ने दिया पूर्व मंत्रियों और विधायक को झटका, सभी की सुरक्षा वापस ली

चड़ीगढ़ (ईएमएस)। भगवंत मान के नेतृत्व में पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार बनने से पहले पंजाब पुलिस ने बड़ा फैसला लिया है। राज्य के सभी पूर्व मंत्रियों व पूर्व विधायकों की सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी हुए हैं। यह आदेश एडीजीपी ने सभी पुलिस प्रमुखों को भेज दिए हैं।

मुख्यमंत्री मान ने सत्ता संभालने से पहले पूर्व मंत्रियों, पूर्व विधायकों, अलग-अलग राजनीतिक पार्टी के पूर्व अध्यक्षों की सुरक्षा वापस लेने का निर्णय लिया। एडीजीपी सिक्योरिटी पंजाब की ओर इस लेकर दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

पंजाब की पूर्व चन्नी सरकार में मंत्री रहे लगभग सभी विधायकों की सुरक्षा वापस लेने के आदेश जारी किए हैं। बात दें कि 400 से ज्यादा अलग-अलग बटालियनों व कमांडो फोर्सेस के कर्मचारी इन वीआईपी की सुरक्षा में लगे हुए थे। सुरक्षा तत्काल प्रभाव से वापस लेने का आदेश जारी हुए हैं।

पुलिस विभाग की ओर से जारी आदेशों के मुताबिक 13 पूर्व मंत्रियों, एक पूर्व स्पीकर, एक पूर्व डिप्टी स्पीकर सहित 122 लोगों की सुरक्षा वापस ली गई है। इनमें 100 से ज्यादा पूर्व और मौजूद विधायक हैं।

सबसे ज्यादा सुरक्षा पंजाब की पूर्व सरकार में मंत्री रहे अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग और वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल की वापस ली गई है। मनप्रीत बादल को सुरक्षा दे रहे 19, अमरिंदर सिंह राजा वाडिंग से 21, परगट सिंह से 17, अरुणा चौधरी, राणा गुरजीत सिंह से 14-14 कर्मचारी वापस लिए गए हैं।

वहीं राजकुमार वेरका से 11, भारत भूषण आशू से 16, ब्रहम मोहिंद्रा से 14, संगत सिंह गिलजिया से 15, रणदीप सिंह नाभा से 15, अजैब सिंह भट्टी से 2, राणा केपी सिंह से 13, राजिया सुल्ताना से 4, गुरप्रीत सिंह कांगड से 6, तृप्त राजिंदर बाजवा से 14, सुखविंदर सिंह सकारिया से 14, बिंदरमीत सिंह से 3, सुखपाल सिंह भुल्लर से 4, कुलजीत सिंह नागरा से 2, कुशलदीप सिंह किकी ढिल्लों से 4, हरप्रताप सिंह अजनाला से चार सुरक्षा कर्मचारी वापस ली गई है। बाकी के पूर्व विधायकों, राजनीतिक पार्टियों के पूर्व अध्यक्षों की सुरक्षा में एक से दो पुलिस कर्मचारी तैनात थे। एडीजीपी सुरक्षा की ओर से संबंधी आदेशों की प्रतियां स्पेशल डीजीपी स्टेट आर्म्ड पुलिस, कमांडेट जनरल पंजाब होम गार्ड एडं डायरेक्ट सिविल डिफेंस पंजाब, एडीजीपी एसपीयू, एसओजी, सीडीओ, सभी रेंजों के आइजीपी को भेजी गई हैं। इन आदेशों पर तत्काल प्रभाव से काम करने को कहा गया है।

चीन के प्रधानमंत्री ने कहा यूक्रेन के मौजूदा हालात गंभीर

-हालात में सुधार के लिए केकियांग ने मदद की पेशकश की

-अभी सबसे बड़ा काम, तनाव नियंत्रण से बाहर होने से रोकना है

बीजिंग(ईएमएस)। चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने यूक्रेन के मौजूदा हालात को गंभीर बताया और शांति के लिए सकारात्मक भूमिका निभाने में चीन की मदद की पेशकश की। इस दौरान प्रधानमंत्री ने रूस की कोई आलोचना नहीं की। चीन के प्रधानमंत्री ली केकियांग ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम संकट के शांतिपूर्ण समाधान के लिए अनुकूल सभी प्रयासों का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा, अभी सबसे बड़ा काम, तनाव को बढ़ने या नियंत्रण से बाहर होने से रोकना है।

चीन ने संघर्ष में काफी हद तक रूस का साथ दिया है और उसने इसे युद्ध या आक्रमण के रूप में संदर्भित करने से इनकार कर दिया है। वहीं अमेरिका ने चीन पर, झूठी खबरें और गलत सूचना फैलाने में रूस की मदद करने का आरोप लगाया है।

चीन ने चांगचुन शहर में लगाया लॉकडाउन

-इस पूर्वोत्तर शहर में रहती है 90 लाख की आबादी

-कोविड-19 केस में बढ़ोतरी के बाद यह आदेश दिया

बीजिंग(ईएमएस)। चीन ने 90 लाख की आबादी वाले पूर्वोत्तर शहर चांगचुन में लॉकडाउन लगाने का आदेश दिया। चीन ने लॉकडाउन लगाने का यह आदेश इस क्षेत्र में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के बीच दिया है। इसके तहत निवासियों को घर पर ही रहना होगा और तीन दौर की सामूहिक जांच से गुजरना होगा।

वहीं गैर-आवश्यक व्यवसायों को बंद कर दिया गया है और परिवहन सम्पर्क निलंबित कर दिए गए हैं। चीन में शुक्रवार को देशभर में स्थानीय संचरण के 397 और मामले सामने आये, जिनमें से 98 मामले जिलिन प्रांत में आये हैं। शहर के भीतर केवल दो मामले सामने आये। हालांकि, अधिकारियों ने महामारी के प्रति बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करने की चीन की नीति के तहत एक या अधिक मामले वाले क्षेत्रों में लॉकडाउन लगाने का संकल्प लिया है।

भारत को उपकरणों की मदद करता रहेगा अमेरिका:जॉन

-सीनेट के सदस्यों से अमेरिकी सेना के शीर्ष एडमिरल ने कहा

वाशिंगटन(ईएमएस)। चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत को जरूरी उपकरणों और अन्य साम्रगी की मदद करना अमेरिका जारी रखेगा। अमेरिकी सेना के एक शीर्ष एडमिरल ने सीनेट के सदस्यों से यह कहा। उन्होंने जोर देते हुए कहा है कि वाशिंगटन और नयी दिल्ली के बीच एक मजबूत रक्षा साझेदारी है, जो जारी रहेगी।

अमेरिकी हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सैन्य स्थिति पर संसद (कांग्रेस) के उच्च सदन सीनेट की आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के समक्ष दिए गए अपने एक बयान में कहा कि दोनों देशों (भारत और अमेरिका) के बीच रक्षा साझेदारी एवं सैन्य संबंध बेहद मजबूत हैं, इसलिए अमेरिका भारत की मदद करना जारी रखेगा।

अमेरिका ने उत्तर कोरिया पर प्रतिबंधों की घोषणा की

सियोल (ईएमएस)। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने उत्तर कोरिया द्वारा अंतर महाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण के तहत हालिया दो परीक्षणों की प्रतिक्रिया में और प्रतिबंधों की घोषणा की है। चार मार्च के बैलिस्टिक मिसाइल परीक्षण का उल्लेख कर वित्त मंत्रालय ने तीन रूसी कंपनियों एपोलान, जील-एम और आरके ब्रिज को इसमें मदद करने के आरोप में प्रतिबंधित करने का एलान किया है। प्रतिबंधित रूसी कंपनियां अमेरिका में अपनी संपत्तियों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी।

एपोलान के निदेशक एलेक्सजेंडर एंड्रीविच गेयेनोव और जील-एम के निदेशक एलेक्सजेंडर एलेक्संद्रोविच चासोवनिकोव को भी प्रतिबंधों के दायरे में लाया गया है। अमेरिका ने ये प्रतिबंध उस समय लगाए हैं, जब यह आशंका है कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर कोरिया पहली बार लंबी दूरी की मिसाइलों व परमाणु हथियारों का परीक्षण जल्द कर सकता है। वित्त मंत्रालय के अंडर सेक्रेटरी ब्रेन नेल्सन की तरफ से जारी बयान के अनुसार, 'दक्षिण कोरिया अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए पूरी दुनिया के लिए खतरा बनता जा रहा है।हालिया प्रतिबंधों में उन रूसी कंपनियों व लोगों को निशाना बना गया है, जो उत्तर कोरिया की मदद कर रहे हैं।

अफगानिस्तान में नाबालिगों और महिलाओं सहित 50 लाख नशेड़ी

काबुल (ईएमएस)। अंतर्राष्ट्रीय बचाव समिति (आईआरसी) के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी बैठक में उपप्रधान मंत्री अब्दुल सलाम हनफी ने अफगानिस्तान में नशों को लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है। हनफी ने बताया कि अफगानिस्तान में दस लाख से अधिक नाबालिगों और महिलाओं सहित 50 लाख नशेड़ी हैं।

इस दौरान अफगानिस्तान के इस्लामी अमीरात के प्रवक्ता इनामुल्ला समांगानी ने कहा, यदि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय अफगान किसानों को अपना विकल्प प्रदान करने में सहायता करता है, तो आईईए पूरे अफगानिस्तान में नशीले पदार्थों को खत्म करने के प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस बीच, अफगानिस्तान में आईआरसी के प्रमुख विकी एकेन ने कहा कि वंचित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना आईआरसी की प्राथमिकता है, इस संबंध में वास्तविक अधिकारियों को एक सुझाव दिया गया है। इसके अलावा समिति के उप निदेशक ज़हरा वरदक ने कहा केएफ समिति न केवल अफगान महिलाओं और बच्चों के लिए बल्कि अफगान महिलाओं की वित्तीय आत्मनिर्भरता के लिए भी काम करने में रुचि रखती है ।

मारियूपोल में मस्जिद पर रूसी सैनिकों ने की बमबारी, 86 लोगों ने ली थी शरण

मारियूपोल (ईएमएस)। युद्धग्रस्त देश यूक्रेन रूसी हमलों से बेजार हो रहा है। यहां के मारियूपोल स्थित एक मस्जिद को रूसी सेना ने निशाना बनाया है। खबर है है इस मस्जिद में सैनिकों ने बम बरसाए हैं। जानकारी मिली है कि इस मस्जिद में 86 नागरिकों ने पनाह ली है, जिसमें 34 बच्चे भी शामिल हैं।

महायुद्ध की मार झेल रहे यूक्रेन के विदेश मंत्रालय ने ट्वीट कर जानकारी दी, 'मारियुपोल में सुल्तान सुलेमान द मैग्निफिकेंट और उनकी पत्नी रोक्सोलाना (हुर्रेम सुल्तान) की मस्जिद पर रूसी आक्रमणकारियों ने गोलाबारी की। जिसमें तुर्की के नागरिकों सहित 80 से ज्यादा लोग पनाह लिए हैं, जिनमें वयस्क और बच्चे भी शामिल हैं।ठ

इससे पहले शनिवार को तुर्की में यूक्रेनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने मारियूपोल के मेयर से मिली जानकारी का हवाला देते हुए कहा कि 34 बच्चों सहित 86 तुर्की नागरिक उन लोगों में शामिल थे, जिन्होंने घिरे बंदरगाह शहर पर रूसी हमलों से बचने के लिए मस्जिद में शरण ली थी।

मरियूपोल में एक सप्ताह से अधिक समय से हजारों नागरिक बिना भोजन, पानी या गर्मी और ठंड के बीच फंसे हुए हैं। सिर्फ मारियूपोल ही नहीं यूक्रेन के पॉश इलाकों में रूसी सेना ने गोलीबारी तेज कर दी है। यूक्रेन ने दावा किया है कि रूस ने दक्षिणी शहर मायकोलाइव में भारी बम बरसाए हैं। ये हमला कैंसर अस्पताल पर किया गया है। इस हमले में कई आवासीय भवनों को नुकसान पहुंचा है। हमले के दौरान कई मरीज अस्पताल में थे, गनीमत रही कि किसी मरीज की मौत नहीं हुई। हमले ने इमारत को पूरी तरह से तबाह कर दिया है।

भारत को चीन से लगी एलएसी के लिए जरूरी साजो-सामान मिलता रहेगा अमेरिका से

वाशिंगटन (ईएमएस)। अमेरिका के शीर्ष एडमिरल ने अमेरिकी सांसदों से कहा है कि अमेरिका और भारत एक जबरदस्त साझेदार हैं, देश भारत को चीन के साथ लगती वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के लिए जरूरी साजो सामान और अन्य चीजों से सहयोग करना जारी रखेगा।

अमेरिका हिंद-प्रशांत कमान के कमांडर एडमिरल जॉन एक्विलिनो ने कहा कि दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध संभवतः शीर्ष बिंदु पर हैं। वह सीनेटर गैरी पीटर्स के सवाल का जवाब दे रहे थे।

दरअसल पीटर्स ने सवाल किया था, एडमिरल, आपके लिए मेरा प्रश्न है, कि क्या आप हमारे भारतीय समकक्षों के साथ अपने संबंधों के बारे में बात कर सकते हैं और हम दोनों देशों के बीच अपने सुरक्षा संबंधों को मजबूत करने के लिए और क्या कर सकते हैं?'' इसके जवाब में एडमिरल एक्विलिनो ने कहा, सीनेटर, मुझे कोई चिंता नहीं है। भारत में हमारे सहयोगी जबरदस्त साझेदार हैं, दोनों देशों की सेनाओं के बीच संबंध शायद अपने उच्चतम बिंदु पर है। हम एकसाथ और अधिक करना जारी रखे हुए हैं। उन्होंने कहा, हालांकि जब आप जबरदस्त साझेदारी के बारे में बात करते हैं,तब यह मौजूद है। हम और क्या कर सकते हैं? जानकारी साझा करना जारी रखें, वास्तविक नियंत्रण रेखा पर उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ उनका समर्थन करना जारी रखें और पूरे क्षेत्र में एकसाथ भागीदारी और संचालन जारी रखें। उनकी यह टिप्पणी इसके मद्देनजर महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत और चीन ने शुक्रवार को पूर्वी लद्दाख में कुछ शेष टकराव वाले बिंदुओं पर 22 महीने के लंबे गतिरोध के समाधान के लिए उच्च स्तरीय सैन्य वार्ता का एक और दौर आयोजित किया।

एक्विलिनो ने अमेरिका और भारत के बीच सैन्य अभ्यास का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा,जापान, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और भारत के साथ मालाबार अभ्यास महत्वपूर्ण है। भारतीयों के साथ 'मिनी लेटरल और बहुपक्षीय जुड़ाव बढ़ाया और अंततः उन्हें उपकरण बेचना जारी रखा ताकि हम सैन्य क्षेत्र में एक साथ अधिक अंत:क्रियाशील और अधिक प्रभावी हो सकें।'' हिंद-प्रशांत सुरक्षा मामलों के लिये सहायक रक्षा सचिव एली रैटनर ने बुधवार को हिंद-प्रशांत क्षेत्र को लेकर कांग्रेस की बैठक के दौरान सदन की सशस्त्र सेवा समिति के सदस्यों को बताया कि उनका मानना है कि अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों में ''अविश्वसनीय प्रवाह'' है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि भारत के साथ संबंध को लेकर कुछ चुनौतियां भी हैं।

जितने लोगों को संभव होगा कनाडा शरण देगा: टूडो

-सब छोड़ निकल रहे यूक्रेन के लोगों को देख हमारा दिल पसीजा

वॉरसॉ(ईएमएस)। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने पोलैंड की यात्रा के दौरान कहा कि यूक्रेन में युद्ध के कारण देश छोड़ रहे लोगों में से जितनों को संभव होगा कनाडा शरण देगा। टूडो ने कहा कि जिंदा रहने के लिए अपना सब कुछ पीछे छोड़कर देश से निकल रहे यूक्रेन के लाखों लोगों को देखकर हमारा दिल पसीज जाता है। टूडो ने पोलैंड में कहा, कनाडा मदद करेगा, कनाडा आपकी मदद के लिए यहां मौजूद है। पोलैंड, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का सदस्य है, जिसकी सीमा यूक्रेन से लगती है।

रूसी सेना के 24 फरवरी को यूक्रेन पर हमला करने के बाद से करीब 15 लाख लोगों ने पोलैंड में शरण ली है। पोलैंड के राष्ट्रपति आंद्रेजेज डूडा और प्रधानमंत्री माटयूज़ जैकब मोराविएकी के साथ बातचीत के दौरान टूडो ने शरणार्थियों को पनाह देने में पोलैंड को मदद की पेशकश की। उन्होंने यूक्रेन का साथ देने और रूस पर कड़े प्रतिबंधों को जारी रखने के तरीकों पर भी चर्चा की। वॉरसॉ में टूडो ने अमेरिका की उप राष्ट्रपति कमला हैरिस से भी मुलाकात की। टूडो ने कहा कि उनकी सरकार शरणार्थियों को कनाडा में बहुत जल्द आने की अनुमति देने के लिए आव्रजन प्रक्रियाओं को तेज कर रही है, जहां यूक्रेनी मूल के कई लोग रहते हैं। टूडो ने डूडा के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''वे जब यहां आएंगे तो हम उन्हें पढ़ने, काम करने की अनुमति देंगे। कई लोगों को उम्मीद होगी कि संघर्ष खत्म होने के बाद वे यूक्रेन लौट पाएंगे, वहीं कई कनाडा जैसे देशों में ही आगे का जीवन बिताना चाहेंगे और हम जितनों को संभव होगा शरण देंगे। टूडो ने कहा कि कनाडा, मानव त्रासदी के लिए जिम्मेदार रूसी नेताओं, विशेष रूप से राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को हेग में अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के समक्ष लाने में सक्रिय रूप से मदद करेगा।

अमेरिका ने भेजे रूसी सीमा पर 12 हजार सैनिक

-बाइडेन ने कहा- वह यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध लड़ने नहीं जा रहे

-पुतिन यूक्रेन के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में कभी विजयी नहीं होंगे

-वाशिंगटन नाटो दायरे में आने वाली हर इंच जमीन की रक्षा करेगा

वाशिंगटन(ईएमएस)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और रोमानिया जैसे देशों में रूस से सटी सीमा पर अपने 12 हजार सैनिक भेजे हैं। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि वह यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ने जा रहे और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के खिलाफ छेड़े गए युद्ध में कभी विजयी नहीं होंगे। बाइडेन ने हाउस डेमोक्रेटिक कॉकस के सदस्यों को संबोधित करते हुए स्पष्ट किया कि अमेरिका यूक्रेन में तीसरा विश्व युद्ध नहीं लड़ने जा रहा है, लेकिन उन्होंने यह कड़ा संदेश भी भेजा कि वाशिंगटन नाटो के दायरे में आने वाली हर इंच जमीन की रक्षा करेगा।

उत्तर एटलांटिक संधि क्षेत्र 30 उत्तर अमेरिकी और यूरोपीय देशों का एक सैन्य समूह है। नाटो के मुताबिक, उसका मकसद सैन्य और राजनीतिक माध्यम से अपने सदस्य देशों की स्वतंत्रता और सुरक्षा सुनिश्चत करना है। बाइडेन ने कहा कि रूसी आक्रमण से निपटने में यूक्रेन के लोगों ने बहादुरी और साहस का प्रदर्शन किया है, लेकिन अमेरिका की ओर से दी जाने वाली सुरक्षा सहायता उनके बचाव में अहम रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''और जिस तरह हम यूक्रेन का समर्थन कर रहे हैं, उसी तरह हम यूरोप में अपने सहयोगियों के साथ खड़े रहना जारी रखेंगे। एक स्पष्ट संदेश देंगे कि हम एक एकजुट और आक्रामक नाटो के साथ नाटो के दायरे में आने वाली हर एक इंच भूमि की रक्षा करेंगे। इसीलिए मैंने लातविया, एस्टोनिया, लिथुआनिया और रोमानिया सहित कुछ अन्य देशों में रूस से सटी सीमा पर 12 हजार अमेरिकी जवान भेजे हैं। अगर हम जवाबी कार्रवाई करते हैं तो तीसरा विश्व युद्ध निश्चित है।'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, ''भले ही नाटो क्षेत्र की रक्षा का पवित्र दायित्व हम पर है, लेकिन हम यूक्रेन में तीसरा युद्ध नहीं लड़ेंगे। यह विचार कि हम यूक्रेन में विध्वंसक साजो-सामान भेजें और हमारे विमान, ट्रेन व टैंक वहां अमेरिकी सैनिकों और पायलट को पहुंचाएं, जरा समझिए। बेवकूफी मत कीजिए, आप सब चाहे जो भी कहें... यह तीसरा विश्व युद्ध कहलाता है।''अमेरिकी राष्ट्रपति के मुताबिक, उन्होंने यूरोपीय संघ, नाटो और एशिया में अपने सहयोगियों के साथ घंटों विचार-विमर्श किया है। उन्होंने कहा कि नतीजतन, हम पुतिन पर आर्थिक दबाव बढ़ाने और रूस को वैश्विक मंच पर और अलग-थलग करने में सफल हुए हैं। बाइडेन के अनुसार, जी-7 देशों (कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका) ने रूस से तरजीही राष्ट्र का दर्जा छीनने के लिए कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका के नेतृत्व में लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों से रूसी अर्थव्यवस्था बुरी तरह से प्रभावित हुई है। बाइडेन ने कहा, ''हमारी तरफ से लगाए गए आर्थिक और निर्यात प्रतिबंध रूसी अर्थव्यवस्था को कुचल रहे हैं। रूबल का आधा से ज्यादा अवमूल्यन हो चुका है। मॉस्को स्टॉक एक्सचेंज बंद है... क्यों बंद है? क्योंकि यह जैसे ही खुलेगा, यह धराशायी हो जाएगी। क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों ने रूस की सरकार की रेटिंग बेहद गिरा दी है।''

अमेरिकी राष्ट्रपति ने दावा किया कि वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए लोकतांत्रिक देश एकजुट हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम हिम्मत दिखा रहे हैं और हम कभी डगमगाएंगे नहीं। पुतिन को यूक्रेन युद्ध में कभी जीत नसीब नहीं होगी। रूसी आक्रमण का एक एकीकृत मोर्चे के रूप में विरोध करने के लिए मैं दुनिया का आभार जताना चाहता हूं। जब पुतिन ने हमला किया, तो उन्हें लगा कि वह नाटो को विभाजित कर सकते हैं। उन्हें लगा कि वह अमेरिका में डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी के नेताओं को बांट सकते हैं, लेकिन वह इसमें नाकाम रहे।

देश के सुरक्षा बलों को मजबूत करने 'तनावमुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां' समय की जरूरत : मोदी

गांधीनगर (ईएमएस) दो दिवसीय गुजरात दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज गांधीनगर के वलाद में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि देश के सुरक्षा बलों को मजबूत करने के लिए 'तनावमुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां' मौजूदा समय की सबसे बड़ी आवश्यकता हैं इस अवसर पर पीएम मोदी ने केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की उपस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के नये कैम्पस का भी लोकार्पण किया प्रधानमंत्री ने कहा कि औपनिवेशिक काल के दौरान आंतरिक सुरक्षा की धारणा औपनिवेशिक शासकों के लिए शांति बनाए रखने के लिए जनता में भय पैदा करने पर आधारित थी। इसी तरह, पहले का परिदृश्य बहुत अलग था क्योंकि सुरक्षा बलों के पास तैयारी के लिए अधिक समय था जो अब नहीं है क्योंकि प्रौद्योगिकी तथा परिवहन एवं संचार में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा कि आज की पुलिसिंग के लिए बातचीत और अन्य सॉफ्ट स्किल्स जैसे कौशल की आवश्यकता होती है जो लोकतांत्रिक परिदृश्य में कार्य करने के लिए आवश्यक हैं। उन्होंने पुलिस और सुरक्षाकर्मियों की छवि बदलने की जरूरत पर बल दिया। लोकप्रिय संस्कृति में भी पुलिस का चित्रण इस संबंध में मददगार नहीं है। उन्होंने महामारी के दौरान पुलिस कर्मियों द्वारा किए गए मानवीय कार्यों के बारे में चर्चा की। उन्होंने कहा, ''स्वतंत्रता के बाद, देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार की आवश्यकता थी। एक धारणा विकसित की गई थी कि हमें वर्दीधारी कर्मियों से सावधान रहना होगा। लेकिन अब यह बदल गया है। जब लोग अब वर्दीधारी कर्मियों को देखते हैं, तो उन्हें मदद का आश्वासन मिलता है।''

प्रधानमंत्री ने पुलिस कर्मियों के लिए नौकरी के तनाव से निपटने में संयुक्त परिवार के घटते समर्थन के बारे में भी चर्चा की। उन्होंने बलों में योग विशेषज्ञों सहित तनाव से निपटने के लिए विशेषज्ञों और विश्राम की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ठदेश के सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए तनाव मुक्त प्रशिक्षण गतिविधियां समय की आवश्यकता हैठ उन्होंने सुरक्षा और पुलिसिंग कार्य में प्रौद्योगिकी के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि अगर अपराधी तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उन्हें भी पकड़ने के लिए तकनीक का इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी पर जोर देने से दिव्यांग लोग भी इस क्षेत्र में योगदान करने में सक्षम होंगे। उन्होंने कहा कि गांधीनगर क्षेत्र में राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, रक्षा विश्वविद्यालय और फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय हैं। उन्होंने इन संबंधित क्षेत्रों में समग्र शिक्षा कायम करने को लेकर नियमित संयुक्त संगोष्ठियों के माध्यम से इन संस्थानों के बीच तालमेल की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, 'इसे पुलिस यूनिवर्सिटी मानने की गलती कभी न करें। यह एक रक्षा विश्वविद्यालय है जो देश की सुरक्षा का पूरा ख्याल रखता है।'' उन्होंने भीड़ और भीड़ मनोविज्ञान, वार्ता, पोषण और प्रौद्योगिकी जैसे विषयों के महत्व को दोहराया। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे मानवता के मूल्यों को हमेशा अपनी वर्दी के अभिन्न अंग के रूप में रखें और अपने प्रयासों में सेवा भावना की कभी कमी नहीं होने दें। उन्होंने सुरक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं की बढ़ती संख्या पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ''हम रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी देख रहे हैं। विज्ञान हो, शिक्षा हो या सुरक्षा, महिलाएं आगे बढ़कर नेतृत्व कर रही हैं।''

प्रधानमंत्री ने संस्थान के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने में ऐसे किसी भी संस्थान के पहले बैच की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने गुजरात को फार्मास्युटिकल क्षेत्र में अग्रणी बनाने में गुजरात के पुराने फार्मेसी कॉलेज के योगदान के बारे में बताया। इसी तरह आईआईएम अहमदाबाद ने देश में मजबूत एमबीए शिक्षा प्रणाली के निर्माण का नेतृत्व किया। राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की स्थापना पुलिस, अपराध संबंधी न्याय और सुधारात्मक प्रशासन के विभिन्न अंगों में उच्च गुणवत्ता वाले प्रशिक्षित मानव शक्ति की आवश्यकता को पूरा करने के लिए की गई थी। सरकार ने रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय को अपग्रेड करके राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय नाम से एक राष्ट्रीय पुलिस विश्वविद्यालय की स्थापना की, जिसे 2010 में गुजरात सरकार द्वारा स्थापित किया गया था। यह विश्वविद्यालय राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है। अक्टूबर, 2020 से इसका संचालन शुरू किया गया। यह विश्वविद्यालय उद्योग से ज्ञान और संसाधनों का लाभ उठाकर निजी क्षेत्र के साथ तालमेल विकसित करेगा तथा पुलिस एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र भी स्थापित करेगा।

लगातार दूसरे दिन पीएम मोदी के रोड शो में उमडा जनसैलाब

गांधीनगर (ईएमएस) शुक्रवार को अहमदाबाद एयरपोर्ट से गुजरात प्रदेश भाजपा मुख्यालय तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रोड शो किया था, जिसमें लाखों की भीड़ ने उनका स्वागत किया थाि गुजरात दौरे के दूसरे दिन पीएम मोदी ने आज गांधीनगर के चिलोडा से दहेगाम तक रोड शो किया, जिसमें जनसैलाब उमड़ पड़ाि चिलोडा सर्कल पर लोगों की भीड़ ने पीएम मोदी का जबर्दस्त स्वागत किया गांधीनगर जिले की दहेगाम तहसील के लवाद स्थित राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी में दीक्षांत समारोह का आयोजन किया गया हैं दीक्षांत समारोह में शिरकत करने से पहले पीएम मोदी ने रोड शो कियाि दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि हैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदीि उनके अलावा केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल भी दीक्षांत समारोह में मौजूद रहेंगे।

मालिक की इंश्योरेंस की रकम पर नियत बिगड़ गई

व्यापारी ने अपनी ही बीएमडब्ल्यु कार की नकली चोरी कराई

अहमदाबाद, १२ मार्च।

अहमदाबाद शहर में चोरी का रोजाना नये नये मामले सामने आते हैं। लेकिन यह मामले में एक कार मालिक ने इंश्योरेंस के पैसे वसूलने के लिए खुद अपनी कार गायब कर दी और बाद में कार चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी।

हालांकि अहमदाबाद पुलिस ने कुछ ही घंटों में यह केस की गुत्थी को सुलझा लिया और मूल मालिक यानी कि आरोपी को जेल भेज दिया है। अहमदाबाद के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित विवेकानंद नगर पुलिस स्टेशन क्षेत्र में एक शिकायतकर्ता ने शिकायत की इसके घर के बाहर पार्क किए बीएमडब्ल्यु कार की चोरी हुई है इसके बाद पुलिस ने शिकायत के आधार पर कार्रवाई शुरू कर दी है। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच शुरू की तो जानकारी मिली कि इस केस में मूल मालिक ही आरोपी है। मुसीब शेख नाम का व्यक्ति यह कार का मूल मालिक है। उसने शिकायत में दर्ज कराया है कि, मैंने यह बीएमडब्ल्यु कार मेरे दोस्त को घुमाने के लिए दिया था। मेरे दोस्त ने अपने दोस्त को यह कार घुमाने के लिए दी थी। यह कार को घुमाने के बाद कार की कीमत निश्चित की जाएगी ऐसी हमारे बीच बात हुई थी। यह पूरी घटना में मूल मालिक ही आरोपी है। यह बहुत ही होशियार बनने की कोशिश करता था। इसने यह कार चोरी करने के लिए अपने ही लोगों को खड़ा किया था। जिसने यह कार को चोरी की वडोदरा लेकर छिपा दी यह सामने आया। यह कार वडोदरा से अन्य जगह पर छिपा रखने और प्लानिंग किया गया। जांच में सामने आया है कि कार मालिक की इच्छा ऐसी थी कि यह कार की कीमत इसके द्वारा वसूला जाए इंश्योरेंस भी लिया जाए जिसकी वजह से इसे रुपया मिल जाए। मिली जानकारी के अनुसार आरोपी कार मालिक कार लेन देन का काम करता है और यह कार इंश्योरेंस की रकम लेना चाहता था इसी वजह से उसने यह पूरी प्लानिंग की थी। हालांकि, अहमदाबाद पुलिस ने अपनी सतर्कता से यह पूरे मामले का पर्दाफाश कर दिया है। यह मामले में हाल में अहमदाबाद पुलिस ने २ आरोपियों की गिरफ्तारी की है और अन्य दो आरोपी फरार है जिसकी खोजबीन शुरू की गई है।

अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस अब साप्ताह में तीन दिन चलेगी

रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की मांग व सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस ट्रेन को 11 अप्रैल 2022 से सप्ताह में तीन दिन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है।

ट्रेन संख्या 22138 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस अब 11 अप्रैल, 2022 से अहमदाबाद से साप्ताह में तीन दिन गुरुवार, रविवार एवं सोमवार को चलेगी तथा 10 अप्रैल, 2022 से नागपुर से सप्ताह में तीन दिन बुधवार, शनिवार एवं रविवार को मौजूदा समय और ठहराव के साथ चलेगी।

ट्रेन संख्या 22138 के विस्तारित फेरों की बुकिंग 13 मार्च, 2022 से यात्री आरक्षण वेबन्द्रों और आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर शुरू होगी।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी वेब लिए यात्री **www.enquiry.indianrail.gov.in** पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों से बोर्डिंग, यात्रा और गंतव्य के दौरान कोविड-19 से सम्बंधित सभी मानदंडों तथा एसओपी का पालन करने का अनुरोध किया गया है।

पीएम मोदी ने गांधी और दांडी के लिए मार्च करने वाले सभी महान लोगों को श्रद्धांजलि दी

अहमदाबाद (ईएमएस) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महात्मा गांधी और उन सभी प्रतिष्ठित लोगों को श्रद्धांजलि की, जिन्होंने अन्याय के खिलाफ और देश के आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए दांडी तक मार्च किया था। प्रधानमंत्री ने 2019 का अपना भाषण भी साझा किया, जो उन्होंने राष्ट्र को राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक समर्पित करते समय दिया था। एक ट्वीट के माध्यम से प्रधानमंत्री ने कहा, ''गांधी जी और उन सभी महान लोगों को श्रद्धांजलि, जिन्होंने अन्याय के विरोध और राष्ट्र के आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए दांडी वेब लिए मार्च किया था। मैं 2019 का अपना भाषण साझा कर रहा हूं, जब दांडी में राष्ट्रीय नमक सत्याग्रह स्मारक राष्ट्र को समर्पित किया गया था।''

डब्ल्यूआर अहमदाबाद-दनापूर के बीच होली विशेष गाड़ी चलाने वाली है

गाड़ी सं.	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवाओं के दिन	प्रस्थान	आगमन
09417	अहमदाबाद - दानापुर	14.03.2022	09.10 बजे सोमवार	21.30 बजे (अगले दिन)
09418	दानापुर - अहमदाबाद	15.03.2022	23.45 बजे मंगलवार	11.20 बजे गुरुवार

हॉल्ट : नडियाद, छायापुरी, रतलाम, कोटा, सवाई माधोपुर, गंगापुर सिटी, हिन्डौन सिटी, बयाना, भरतपूर, अछनेरा, मथुरा, कासगंज, फुर्रुखाबाद, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर सिटी, वाराणसी, पंडित दिनदयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा स्टेशन दोनों दिशाओं में।

मिश्रण : एसी 2 टायर, एसी 3 टायर, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच।

गाड़ी सं. 22138/37 अहमदाबाद-नागपुर प्रेरणा एक्सप्रेस त्रि-साप्ताहिक एक्स अहमदाबाद को बृहस्पतिवार रविवार और सोमवार को 11 अप्रैल 2022 और एक्स नागपुर को बुधवार, शनिवार और रविवार को 10 अप्रैल 2002 मौजूदा समय और हॉल्ट के अनुसार चलेगी।

हॉल्ट और समय की विस्तृत सूचना के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in का अवलोकन कर सकते हैं। यात्रियों को सुझाव दिया जाता है की बैठने, यात्रा करने और गंतव्य तक पहुंचने के दौरान कोविड-19 से संबंधित और एसओपी के सभी सिद्धांतों का पालन करें।

गाड़ी सं. 09417 की बुकिंग और गाड़ी सं. 22138 की बढ़ी हुई वारम्बरता का फेरा 13.03.2022 को पीआरएस काउन्टर और आरसीटीसी वेबसाइट पर खुलेगी। उपरोक्त गाड़ियां विशेष किराए पर विशेष गाड़ी के रूप में चलेगी।

पश्चिम रेलवे
www.wr.indianrailways.gov.in
Like us on: facebook.com/WesternRly
Follow us on: twitter.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल आईडी प्रूफ साथ में रखें।

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

गुजरात बजट 2022-2023

किसानों के होंगे सपने साकार,
साथ खड़ी है हमारी सरकार

कृषि, किसान कल्याण और सहकारिता विभाग के लिए
कुल ७७३७ करोड़ रुपए

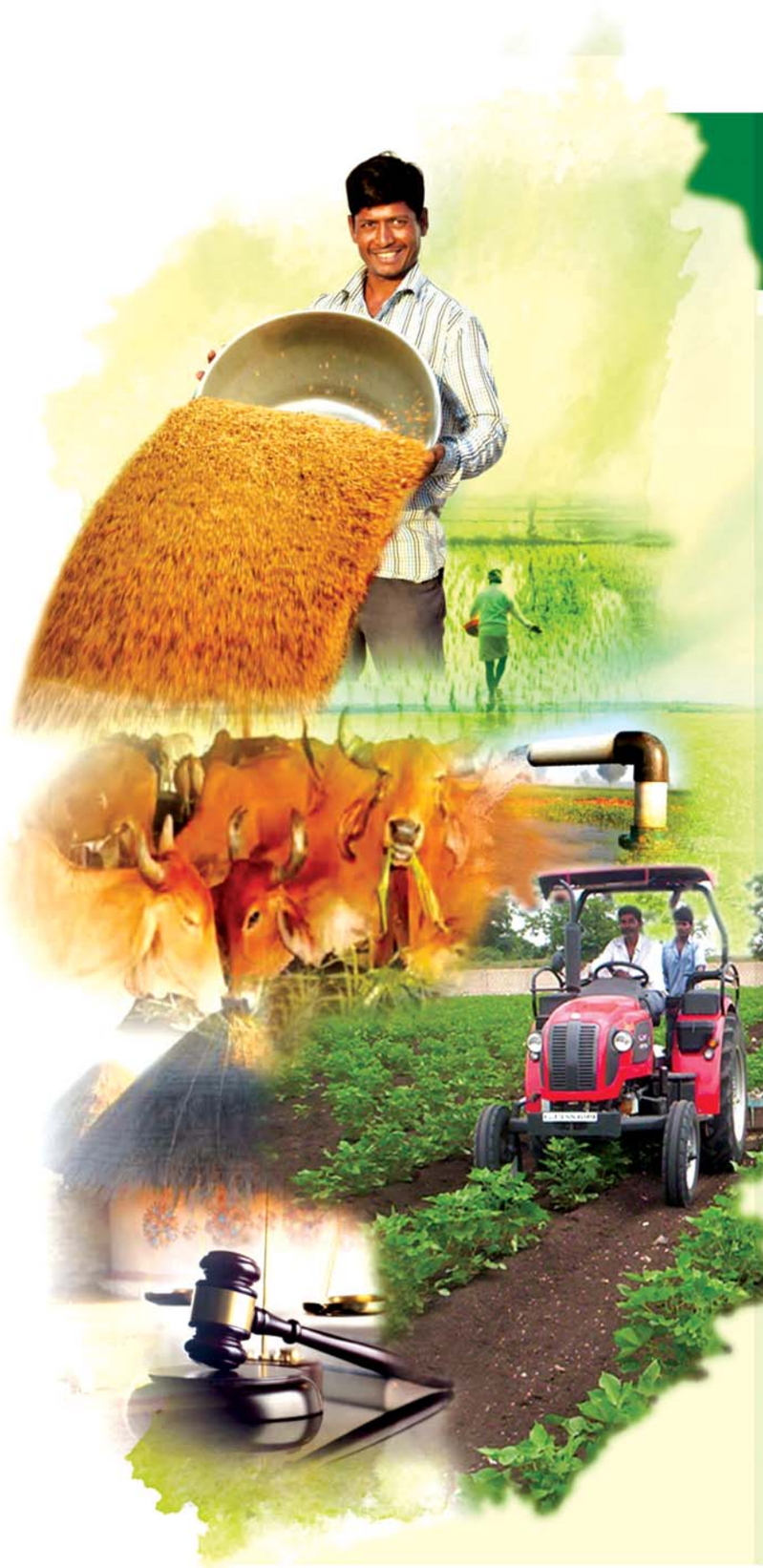

किसानों को ख़रीफ फ़सल ऋण के अलावा... अब रबी और ग्रीष्मकालीन फ़सल ऋण के लिए ब्याज राहत योजना हेतु १२५० करोड़ रुपए का आवंटन

कृषि कल्याण

कृषि यांत्रिकीकरण के संदर्भ में ट्रैक्टर सहित अन्य मशीनरी की ख़रीदारी में सहायता के लिए २६० करोड़ रुपए का आवंटन

राष्ट्रीय कृषि विकास योजना में कृषि तथा सम्बंधित क्षेत्रों के लिए २३१ करोड़ रुपए का आवंटन

किसान खातेदार दुर्घटना बीमा योजना अंतर्गत ८१ करोड़ रुपए का आवंटन

कँटीले तार की बाड़ बनाने के लिए सहायता हेतु १०० करोड़ रुपए का आवंटन

कृषि क्षेत्र में ड्रोन टेक्नोलॉजी के उपयोग के लिए ३५ करोड़ रुपए का आवंटन

कृषि बाज़ार व्यवस्था के संचालन हेतु ५० करोड़ रुपए का प्रावधान

पशुपालक कल्याण

संपूर्ण देसी गाय आधारित प्राकृतिक खेती करने के लिए किसानों को गाय के रखरखाव खर्च के रूप में २१३ करोड़ रुपए का प्रावधान

पशुपालकों को अल्पावधि के ऋण पर ब्याज राहत के लिए ३०० करोड़ रुपए का प्रावधान

आदिवासी कल्याण

आदिवासी किसानों को व्यक्तिगत/सामूहिक सिंचाई कुएँ के साथ ३ एच.पी. सोलर पंप की सहायता देने के लिए ७५ करोड़ रुपए का आवंटन

आदिवासी क्षेत्र में खेती में पावर टिलर के उपयोग को प्रोत्साहन देने के लिए नई सहायता योजना हेतु ३८ करोड़ रुपए ख़र्च किए जाएँगे

आदिवासी क्षेत्र में चीनी मिलों को पुनः कार्यान्वित करने के लिए शेयर पूंजी हेतु ४० करोड़ रुपए लोन सहायता का प्रावधान

प्राकृतिक कृषि का उपहार
किसानों की प्रगति अपरंपार

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95